दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 227 ■ दमण, शुक्रवार 29, मई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रधानमंत्री ने प्रगति की 51वीं बैठक की अध्यक्षता की

पीएम मोदी ने रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्रों से जुड़ी सात अहम बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रगति की 51वीं बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 30,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की गहन समीक्षा हुई। गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को सेवा तीर्थ में आयोजित हुई। इन परियोजनाओं में रेलवे, बिजली और सड़क संपर्क से जुड़ी योजनाएं शामिल थीं, जो देश के नौ राज्यों में फैली हुई हैं। समीक्षा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने इनकी समय-सीमा, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और लंबित मुद्दों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया। इस प्रगति बैठक में केन-बेतवा लिंक परियोजना और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 की प्रगति की भी गहन समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल ढांचा खड़ा करना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक और मापने योग्य बदलाव लाना है। उन्होंने राज्यों से ठोस कचरा प्रबंधन, अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र और गोबरधन योजना के तहत बुनियादी ढांचे के विकास को तेजी से पूरा करने का आग्रह किया। बिजली क्षेत्र में, उन्होंने शहरी क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर सिस्टम को मिशन मोड में बढ़ावा देने पर जोर दिया, जिससे बिजली की लागत कम हो, ऊर्जा सुरक्षा बढ़े और स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिले। सड़क और बंदरगाह संपर्क के तहत, वधावन बंदरगाह को एक आधुनिक मल्टी-मॉडल विकास मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही गई, जो राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख प्रवेश द्वार बनेगा। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को राज्यों के बीच सहयोग और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग के उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि सरकारी परियोजनाओं में देरी से लागत बढ़ती है और आम जनता को लाभ देर से मिलता है, अतः सभी मंत्रालयों और राज्यों को समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने में अधिक सक्रियता दिखानी होगी। बैठक में कैबिनेट सचिव ने जानकारी दी कि अब सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं की नियमित समीक्षा की एक नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे निगरानी व जवाबदेही और मजबूत होगी।

पीएम मोदी के दमण प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने विभिन्न समाजों के साथ की बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 28 मई।

जून माह के प्रथम सप्ताह में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दमण दौरे को लेकर आज जिला मुख्यालय पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विभिन्न समाज के प्रमुखों के साथ बैठक की। इस बैठक के दौरान पीएम मोदी के भव्य स्वागत और इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चर्चा- विचरण की गई। जिसमें विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने सुझाव भी दिए और पीएम मोदी के आगमन पर उनका भव्य स्वागत करने की अपनी तैयारी बताया। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया कि प्रदेश के नागरिकों के लिए यह गर्व की बात है कि पीएम मोदी का एक बार फिर दमण दौरा होने जा रहा है। पीएम मोदी संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के लिए पूर्व के दौरे में कई सौगातें दे चुके हैं। इस बार पीएम मोदी बड़ी सौगात देने वाले हैं। प्रशासन की ओर से कहा गया कि पीएम मोदी के प्रदेश में हुए पूर्व के दौरे आप सभी सर्व समाज के सहयोग से सफल एवं यादगार रहा है। इस बार भी हम सभी को मिलकर पीएम मोदी का भव्य स्वागत करना है और उनके इस दौरे को भी ऐतिहासिक बनाना है। इस दौरान उपस्थित सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत करने के लिए अपनी-अपनी तैयारी बताई और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों को बड़ी संख्या में पहुंचने के लिए कार्यक्रम के माध्यम से आह्वान करने की भी बात कही। समाजों के प्रतिनिधियों ने कहा कि पीएम मोदी हम सभी के लिए बड़ी सौगात देने आ रहे हैं, हम सभी समाज के लोग पीएम मोदी के इस दौरे को यादगार बनाएंगे। इस बैठक में विभिन्न समाजों के प्रमुखों की उपस्थिति रही।

वापी महानगरपालिका की प्रथम मेयर बनी दक्षा पटेल: मितेश देसाई को मिली डिप्टी मेयर की जिम्मेदारी

■ स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन बने सतिष पटेल, पक्ष के नेता की जिम्मेदारी धर्मेश पटेल और दंडक की जिम्मेदारी सुनिता तिवारी को मिली ■ विपक्ष के नेता पद पर पीरू मकराणी हुए नियुक्त

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 मई। वापी महानगरपालिका बनने के बाद पहली बार हुए चुनाव में भाजपा ने 52 में से 37 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था। 4 निर्दलीयों के समर्थन के बाद सत्ता पक्ष के पास 41 सीटों का मजबूत बहुमत प्राप्त हो गया था। आज वापी महानगरपालिका की पहली सामान्य सभा में आज मेयर, डिप्टी मेयर सहित अन्य पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से नियुक्ती की गयी। वापी महानगरपालिका की पहली महिला मेयर बनने का सौभाग्य दक्षा पटेल को मिला। जबकि डिप्टी मेयर की जिम्मेदारी मितेष देसाई को दी गयी। स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन सतिष पटेल, पक्ष के नेता की जिम्मेदारी धर्मेश पटेल और दंडक की जिम्मेदारी सुनिता तिवारी सर्वसम्मति से सौपी गयी। विरोध पक्ष के नेता का पद कांग्रेस के काउन्सिलर पीरू मकराणी को मिला। गौरतलब है कि वापी महानगरपालिका बनने के बाद नागरिकों को वापी की स्थिति में आमूल परिवर्तन होने की बड़ी उम्मीद है। भाजपा शासित वापी महानगरपालिका को अपने क्षेत्र के दिग्गज भाजपा नेता और राज्य के वित्तमंत्री कनू देसाई के कुशल मार्गदर्शन में जनता की कुछ उम्मीदों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूरा करना पड़ेगा।

एसआईआर स्वीप टीम ने खारीवाड सुन्नत जमात ईदगाह पर किया जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 मई। दमण प्रशासन, निर्वाचन विभाग, एसआईआर टीम द्वारा हाजी खुर्शीद मांजरा, अध्यक्ष अल खिदमत फाउंडेशन, प्रमुख ट्रस्टी- खारीवाड सुन्नत जमात, दमण एवं जमात के लोगों के सहयोग से मतदाता सूची अपडेट करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का खारीवाड सुन्नत जमात ईदगाह बस स्टॉप के पास आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 1350 लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से तैयार करना तथा नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान निर्वाचन विभाग की एसआईआर स्वीप टीम द्वारा नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए निर्देशों का पालन करने एवं यह जानकारी अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया गया। एसआईआर टीम ने सभी नागरिकों से सहयोग की अपील भी की। दमण के सभी मतदाताओं से अनुरोध किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम वर्ष 2002 की पूर्व एसआईआर मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। यदि जानकारी उपलब्ध न हो, तो संबंधित मतदाता अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग कार्यालय में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं अथवा संबंधित वेबसाइट पर आवश्यक विवरण भरकर अपना नाम खोज सकते हैं। यदि पिछले रक्षक 2002 की मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं मिलता है, तो मतदाताओं को अपने माता-पिता के नाम की पुष्टि करनी होगी। यदि माता-पिता के नाम की भी पुष्टि नहीं हो पाती है, तो संबंधित मतदाता को आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने होंगे और उन्हें अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा निर्वाचन विभाग दमण में जमा करना होगा। आवश्यक दस्तावेजों में केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी हेतु जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाताओं की सहायता हेतु प्रत्येक रविवार को बूथ डे घोषित किया गया है। इस दौरान संबंधित बूथों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक अधिकारियों एवं बूथ स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी, जहां मतदाता अपने नाम की जांच, संशोधन एवं अन्य निर्वाचन संबंधी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। सभी मतदाताओं से विशेष अनुरोध किया गया है कि जब बूथ स्तरीय अधिकारी उनके घर आएं, तो वे पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अतः दमन के सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा की गई है। मतदाताओं की सहायता हेतु दमण निर्वाचन विभाग द्वारा कलेक्टर कार्यालय, मोटी दमण में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त टोल फ्री नंबर 1950 एवं 18002330530 के माध्यम से भी निर्वाचन विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

लंदन: न्यूहैम के प्लाशेट पार्क में हजारों मुस्लिमों ने पढी ईद की नमाज: न्यूहैम के काउंसिलर जुबेर गुलामुसेन (रंगरेज) ने दी सभी को ईद की बधाईयां

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
लंदन 28 मई।

लंदन के न्यूहैम के प्लाशेट पार्क में बकरी ईद के अवसर पर हजारों मुस्लिमों ने एक साथ नमाज अदा की। इस अवसर पर दमण मूल के ब्रिटिश युवा एवं न्यूहैम के काउंसिलर जुबेर गुलामुसेन (रंगरेज) ने सभी मुस्लिम बिरादरों को बकरी ईद की मुबारकबाद दी। ज्ञात हो कि न्यूहैम में बडी संख्या में मुस्लिम आबादी निवास करती है जिसमें भारत एवं आसपास के देशों के नागरिकों के साथ-साथ अफ्रीकी देशों के नागरिक भी यहां निवास करते हैं। रमजान एवं बकरी ईद के त्यौहारों को यह सभी मुस्लिम बिरादर एक साथ मनाते हैं।

नई दिल्ली, गुजरात एवं दमण-दीव-दानह

असली आज़ादी

शुक्रवार 29, मई 2026, दमण।

नोएडा से जेवर एयरपोर्ट तक चलेगी सिटी बस:CM ने की परियोजना की समीक्षा, किराया 10 रुपए से शुरू; 2 लाख लोगों को होगा फायदा

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में सिटी बस संचालन को लेकर बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने परियोजना के बारे में जानकारी ली। साथ ही जल्द से जल्द इसे आम जनता के लिए समर्पित करने के निर्देश दिए। ऑनलाइन बैठक के दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश और दोनों जीएम एसपी सिंह व एके आरोड़ा मौजूद रहे। नोएडा में पहले फेज में 100 सिटी बसों का संचालन किया जाना है। हालांकि नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना क्षेत्र में कुल 500 बस चलेंगी। जिनका रेशियों 50:25:25 का होगा। जेवर एयरपोर्ट के लिए 110 बस संचालित की जाएंगी। दो लाख लोगों को फायदा होगा इसकी

तरह तीनों प्राधिकरण भी इसका वायबिलिटी गैप फंड (वीजीएफ) भी 50:25:25 के रेशियो में देंगी। बसों के लिए सेक्टर-90 और बॉटेनिकल गार्डन में इंफ्रास्ट्रकचर तैयार किया जा रहा है। इस योजना से दो लाख लोगों को फायदा होगा। साथ यमुना के जुड़ने से जेवर एयरपोर्ट जाना आसान हो जाएगा। इसके तहत सेक्टर-90 में 20 ईवी चार्जिंग लगाए जाएंगे। प्रत्येक चार्जिंग स्टेशन से दो बसों को एक साथ चार्ज किया जा सकता है। इसी तरह बॉटेनिकल गार्डन में 4 चार्जिंग स्टेशन होंगे। जिसमें आठ बसों को चार्ज किया जा सकेगा। दोनों स्टेशनों पर रात और दोपहर के सामय बसों को चार्ज किया जाएगा। बता दे एक बस फुट चार्ज के बाद 200 से 250 किमी की दूरी तय कर सकेंगी। जून के पहले सप्ताह में होगा ट्रायल जून के पहले सप्ताह में ई बस का ट्रायल होगा। ये ट्रायल डबल डेकर बसों के जरिए किया जाएगा। इसके 15 से 25 जून के बीच सभी बस आ जाएंगी। जिसके बाद इनको रुट पर उतार दिया जाएगा। डबल डेकर के अलावा सभी 90 बस 12 मीटर की होंगी। ये बस नोएडा के एमपी-1,2,3 जोनल रोड नंबर-6 और एक्सप्रेस वे पर चलेंगी। 10 से 30 रुपए होगा किराया बसों का रूट दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और जेवर एयरपोर्ट तक होगा। इसके लिए मिनिमम किराया 10 और अधिकतम 30 रुपए देने होंगे। मासिक पास कितने का होगा इस पर मंथन किया जा रहा है। टिकट ऐप बेस और मैन्यूवल भी लिए जा सकेंगे। जिन रूटों पर सिटी बस चलेंगी वहां से ई रिक्शा को हटाया जाएगा। जीएम एसपी सिंह ने बताया कि दो दिनों में एमओयू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 15-15 मिनट के अंतराल पर मिलेंगी बस यहां बस चलने से करीब 2 लाख लोगों को फायदा होगा। बसों की शुरूआत जून के पहले सप्ताह में होने जा रही है। 15-15 मिनट के अंतराल पर बस मिलेंगी। कुल 100 बस चलेंगी 5 स्टैंड बाइ पर रहेंगी। इसमें 10 डबल डेकर बस होंगी। ये डबल डेकर बस बोटेनिकल गार्डन से परिचौक तक चलेंगी। नौ और 12 मीटर की दो प्रकार की करीब 100 बस पहले फेज में चलेंगी। इनका संचालन यूपी रोडवेज करेगा।

संक्षिप्त डायरी

नाहरिका गांव में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ हुई बैठक

एजेंसी

नोएडा। जिले के नाहरिका गांव में फिरोजपुर झिरका के डीएसपी हरदीप सिंह की अगुवाई में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के पंच , सरपंच, जिम्मेदार नागरिकों, युवाओं और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । डीएसपी हरदीप सिंह ने कहा कि मेवात का युवा लगातार नशे की चपेट में आता जा रहा है, जो समाज के लिए बेहद चिंताजनक विषय है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और विशेष रूप से मेवात क्षेत्र की संस्कृति हमेशा से नशे के खिलाफ रही है और यहां नशे को अभिशाप माना जाता था, लेकिन वर्तमान समय में युवाओं का नशे की ओर बढ़ता झुकाव दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब किसी परिवार का एक युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो उसका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी पीढ़ी बबार्दी की ओर चली जाती है। इसके साथ ही उन्होंने मेवात क्षेत्र में बढ़ते साइबर ठगी के मामलों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों के कारण पूरे मेवात की छवि खराब हो रही है और क्षेत्र बदनामी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि नशा, गोकशी और साइबर अपराध जैसे समाज को बदनाम करने वाले अपराधों पर रोक लगाने के लिए नूंह पुलिस प्रशासन और आमजन को मिलकर काम करना होगा । कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बर्खास्त सरपंच और सचिव पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश

एजेंसी

नोएडा। उपमंडल की ग्राम पंचायत चीला का रिकॉर्ड वर्तमान सरपंच को नहीं सौंपने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। जिला उपायुक्त की ओर से करीब एक महीना पहले बर्खास्त पूर्व सरपंच और तत्कालीन ग्राम सचिव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा विभागीय कार्रवाई के आदेश जारी किए जाने के बावजूद अब तक पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर वर्तमान सरपंच पक्ष ने स्थानीय प्रशासन और पंचायत विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार उपायुक्त नूंह द्वारा 29 अप्रैल को जारी पत्र में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, तावडू को निर्देश दिए गए थे कि ग्राम पंचायत चीला का पूरा रिकॉर्ड अपने कब्जे में लिया जाए तथा तत्कालीन ग्राम सचिव रामसिंह और पूर्व पदच्युत सरपंच निसवा पत्नी अल्तमश के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आदेश में कहा गया कि दोनों ने आपसी मिलीभगत से पंचायत का रिकॉर्ड बहुमत वाले पंचों और बाद में निर्वाचित वर्तमान सरपंच को नहीं सौंपा। इसके चलते ग्राम सचिव के खिलाफ हरियाणा सिविल सेवा नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई करने और दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। वर्तमान सरपंच के प्रतिनिधि खालिद ने बताया कि उनकी बेटी उपचुनाव में ग्राम पंचायत चीला की सरपंच निर्वाचित हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरपंच के बर्खास्त होने के बाद भी पंचायत का रिकॉर्ड नहीं सौंपा गया और बाद में नई सरपंच के चुने जाने के बावजूद रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पंचायत विभाग और जिला प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार उपायुक्त ने कार्रवाई और मुकदमा दर्ज करने के आदेश जारी किए, लेकिन करीब एक माह बीत जाने के बाद भी पुलिस स्तर पर कार्रवाई नहीं हो सकी। वहीं तावडू के बीडीपीओ अरुण कुमार यादव का कहना है कि उन्हें यह पत्र तीन दिन पहले ही प्राप्त हुआ है और उपायुक्त के आदेशों के अनुसार नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में डॉक्टर के घर लाखों की चोरी:सीसीटीवी में कैद हुए चोर, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा टू थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर के बंद घर से लाखों रुपये की ज्वेलरी और नकदी चोरी हो गई। यह घटना सेक्टर अल्फा वन में डॉक्टर केशव गर्ग के आवास पर हुई। चोरी की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। डॉक्टर केशव गर्ग ने बताया कि वह 26 मई को अपने गांव दनकौर गए थे। 27 मई की रात जब वह वापस लौटे, तो उन्होंने घर का दरवाजा टूटा हुआ पाया और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि घर से लाखों रुपये की ज्वेलरी और लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की नकदी गायब थी। डॉक्टर ने अपने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिसमें दो अज्ञात चोर घर में घुसते और पूरे घर को खंगालते हुए दिखाई दिए। चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। फुटेज में दोनों चोर घर में घूम-घूमकर नकदी और ज्वेलरी ढूंढते साफ नजर आ रहे हैं। पीड़ित डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस घटना का खुलासा किया जाएगा और चोरें को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नोएडा में अकाउंटेंट से 18 लाख की ठगी:कंपनी डायरेक्टर की डीपी लगाकर मैसेज किया, मीटिंग में होने की बात बोलकर पैसे मांगे

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-63 स्थित एक निजी कंपनी के अकाउंटेंट से साइबर ठगों ने कंपनी डायरेक्टर बनकर 18 लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने वाट्सऐप पर डायरेक्टर की फोटो लगाकर मैसेज किया और खुद को मीटिंग में व्यस्त बताते हुए तुरंत भुगतान करने के निर्देश दिए। अकाउंटेंट ने बिना पुष्टि किए अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में असली डायरेक्टर से बातचीत होने पर ठगी का पता चला। मामले में साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी शिकायत में संजीव चौहान ने बताया कि उनकी सेक्टर-63 में बामा पावर कंट्रोल सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी है। कंपनी में आरके सिन्हा अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत हैं और वित्तीय लेन-देन का काम देखते हैं। अनजान

नंबर से आया मैसेज 11 मई को अकाउंटेंट आरके सिन्हा के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से वाट्सऐप मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने अपनी डीपी पर कंपनी डायरेक्टर संजीव चौहान की फोटो लगा रखी थी। प्रोफाइल देखकर अकाउंटेंट को लगा कि मैसेज कंपनी डायरेक्टर ने ही भेजा है। मैसेज में पहले कंपनी खाते में मौजूद रकम की जानकारी मांगी गई। अकाउंटेंट ने बताया कि खाते में करीब 18 लाख रुपए हैं। इसके बाद आरोपी ने मैसेज कर कहा कि वह एक जरूरी मीटिंग में हैं और तुरंत पेमेंट करनी है। आरोपी ने अलग-अलग बैंक खातों की डिटेल भेजकर पूरी रकम ट्रांसफर करने को कहा। बिना वैरिफिकेशन किए ट्रांसफर कर दी रकम डायरेक्टर का आदेश समझकर अकाउंटेंट ने बिना पुष्टि किए कई बार में पूरी रकम बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दी। कुछ देर बाद जब कंपनी निदेशक संजीव चौहान से बातचीत हुई तो उन्होंने साफ कहा कि उन्होंने कोई मैसेज नहीं भेजा और न ही किसी भुगतान के निर्देश दिए थे। इसके बाद कंपनी को साइबर ठगी का पता चला। घटना के बाद साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी गई। से करते हैं साइबर फ्रॉड साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक यह वाट्सऐप डीपी फ्रॉड या इंपर्सनेशन स्कैम का मामला है। ठग सोशल मीडिया या कंपनी वेबसाइट से मालिक और अधिकारियों की तस्वीरें हासिल करते हैं। फिर उन्हीं तस्वीरों को वाट्सऐप डीपी पर लगाकर कर्मचारियों को भरोसे में लेते हैं। इसके बाद अकाउंट और एचआर विभाग से जुड़े कर्मचारियों को निशाना बनाकर पैसों का ट्रांसफर कराया जाता है।

नोएडा में कबाड़ की दो दुकानों में लगी आग:दमकल की 4 गाड़ियों ने पाया काबू, ज्वलनशील पदार्थ से आग लगने की

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के मोरना गांव में गुरुवार को कबाड़ की दो दुकानों में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें तेज थी। आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग की वजह किसी ज्वलनशील पदार्थ है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि मोरना गांव स्थित टीन शेड में चल रही दो कबाड़ की दुकानों में आग लगी थी। शुरूआती जांच में आग लगने की वजह किसी ज्वलनशील पदार्थ को माना जा रहा है। हालांकि आग लगने के सही कारणों की जांच

की जा रही है। कबाड़ होने की वजह से काला धुंआ उठने लगा। ये धुआं काफी दूर से देखा जा सकता था। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दी। एक-एक करके चार दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटना के दौरान आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा ताकि राहत और बचाव कार्य में कोई बाधा न आए। आग लगने से दुकानों में रखा काफी सामान जलकर राख हो गया। फायर विभाग व पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। साथ ही इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर निगरानी रखी जा रही है।

नोएडा में बुजुर्ग ने नौवीं मंजिल से कूदकर दी जान:बीमारी और मानसिक रूप से थे परेशान, नहीं मिला सुसाइड नोट

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में बुधवार शाम चार बजे के करीब एक बुजुर्ग ने नौवीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। घटना के बाद सोसायटी में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान 65 साल परमजीत सिंह के रूप में हुई है। उनका मूल पता सेक्टर-35 बताया गया है। वह इन दिनों लोटस बुलेवार्ड सोसाइटी के टावर-26 स्थित फ्लैट में अस्थायी रूप से रह रहे थे। बुधवार शाम करीब चार बजे उन्होंने फ्लैट की 9वीं मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल से जुटाए साक्ष्य घटना की सूचना मिलते ही थाना

पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मौके पर मौजूद परिवारजनों ने पुलिस को बताया कि परमजीत सिंह लंबे समय से किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और इसी कारण मानसिक रूप से काफी परेशान चल रहे थे। बीमारी से था तनाव बीमारी और लगातार उपचार के चलते वह तनाव में रहते थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला सुसाइड का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिवारजनों से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। गुरुवार को मृतक बुजुर्ग का अंतिम संस्कार होने की बात कही जा रही है।

वीर सावरकर की 143वीं जयंती पर गुजरात विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित

गांधीनगर (ईएमएस)। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी सेनानी और प्रखर राष्ट्रवादी नेता विनायक दामोदर सावरकर की 143वीं जयंती के अवसर पर गुजरात विधानसभा पोडियम परिसर में स्थापित उनके तैलचित्र पर गुजरात विधानसभा के सचिव चैतन्य पंड्या ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समरस छात्रालय के विद्यार्थियों सहित गुजरात विधानसभा सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी उपस्थित रहकर वीर सावरकर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। क्रांतिवीर विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भगुर गांव में हुआ था, जबकि 26 फरवरी 1966 को उनका निधन हुआ। पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे कानून की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए, जहां उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के उद्देश्य से 'फ्री इंडिया सोसायटी' की स्थापना कर क्रांतिकारी गतिविधियों को नई गति दी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध षड्यंत्र के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर 50 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस दौरान उन्होंने अंडमान की सेल्युलर जेल और बाद में रत्नागिरी जेल में अमानवीय परिस्थितियों के बीच 14 वर्षों का कठिन कारावास भोगा। जेल से रिहा होने के बाद भी वर्ष 1937 से 1947 के बीच उन्होंने देश की अखंडता बनाए रखने और भारत को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
दीव ज़िले में PWD सड़कों के लिए तूफानी पानी की नालियों और क्रॉस नालियों की सफ़ाई का काम, जिसमें सड़क के किनारे के शोल्डर आदि की सफ़ाई भी शामिल है (मानसून-पूर्व गतिविधियाँ) 3rd Call.
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 24/2026-2027 (2026_DIUDT_4799_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 03/06/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 03/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 03/06/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
IP/DMN/2/5/2026-27-193 DTD:-28/05/2026

संघ प्रदेश दादराऔर नगर हवेली और दमन और दीव का केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन
नागरिक उड्डयन विभाग, दा.न.ह. एवं दमण एवं दीव
नीलामी सूचना
शुद्धिपत्र 1 | दमण हवाई अड्डा, नानी दमण में 07 दुकानें, 02 टैक्सी काउंटर और 01 रेस्तरां संचालित करने की अनुमति के लिए।
Ref No. : CAD/DNH&DD/Airport/Auctions/2025-26/69
For details please scan
or visit https://ddd.gov.in/ &
9714073224
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 05/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 06/06/2026
सचिव PWD/ नागरिक उड्डयन विभाग कार्यालय, विद्युत भवन, कचीगाम, दमण – 396 215
IP/DMN/2/5/2026-27-196 DTD:-28/05/2026

सूरत : 7 दिन के नवजात को जलाकर फेंका

सूरत(ईएमएस)। गुजरात के सूरत शहर में 6 से 7 दिन के नवजात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जली हुई हालत में फेंक दिया। गुरुवार सुबह उधना क्षेत्र के भीमनगर गरनाला में कुछ लोगों ने नवजात का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि नवजात को किसी केमिकल से जलाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सूरत में सात दिनों के भीतर नवजातों से जुड़ी यह तीसरी घटना है। इससे पहले 21 मई को पांडेसरा इलाके में एक नवजात बच्ची जीवित मिली थी, जो अब स्वस्थ है। जबकि 24 मई को कतारगाम इलाके में झाड़ियों से एक नवजात बच्ची का शव बरामद हुआ था। इन दोनों मामलों में भी अब तक आरोपियों का पता नहीं चल सका है।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
वादी शेरी, वनकबारा, दीव के पास मौजूदा नीलामी घाट की मरम्मत (3rd Call).
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 23/2026-2027 (2026_DIUDT_4793_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 03/06/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 03/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 03/06/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
IP/DMN/2/5/2026-27-189 DTD:-28/05/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
दीव ज़िले में विभिन्न स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का रखरखाव और मरम्मत कार्य (3rd Call).
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 23/2026-2027 (2026_DIUDT_4794_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 03/06/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 03/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 03/06/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
IP/DMN/2/5/2026-27-190 DTD:-28/05/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
दीव ज़िले में लाइट हाउस की मरम्मत और नवीनीकरण (3rd Call).
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 23/2026-2027 (2026_DIUDT_4795_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 03/06/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 03/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 03/06/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
IP/DMN/2/5/2026-27-191 DTD:-28/05/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
घोगला, दीव में DMC मार्केट के पास FRP नावों के लिए टोइंग मशीन हेतु 6 प्लेटफॉर्मों का निर्माण (3rd Call).
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 23/2026-2027 (2026_DIUDT_4796_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 03/06/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 03/06/2026
बोली खुलने की तिथि : 03/06/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
IP/DMN/2/5/2026-27-192 DTD:-28/05/2026

असली आज़ादी

शुक्रवार 29, मई 2026, दमण।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद-गौ-रक्षा के लिए वोट करे, पशु कहने वाली सरकार हटाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनता से गाय को पशु कहने वाली सरकारों को हटाकर माता कहने वाली सरकार लाने का आह्वान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौ-रक्षा की बातें सिर्फ मंचों और वक्तव्यों तक सीमित हैं, जबकि धरातल पर गायों की स्थिति दयनीय है। आश्रय स्थलों में गायों की हालत खराब है और गौ-तस्करों पर अंकुश नहीं लग पाया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट किया कि उन्हें भाजपा से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वे गायों के मुद्दे पर सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा, हमारा वोट चाहिए, तब गाय को माता कहकर आना पड़ेगा। पहले बांदा में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को गौ-रक्षा में फेल बताया था। उनका आरोप था कि योगी, बुलडोजर का इस्तेमाल कर शासन कर रहे हैं, जबकि उनसे गौ-रक्षा पर सबसे अधिक उम्मीदें थीं। जनसंख्या वृद्धि पर उन्होंने नेताओं को अक्षम बताकर कहा कि वे काम ढूंढने की बजाय इस भार मान रहे हैं, जबकि पर्याप्त काम होने पर जनसंख्या संपत्ति हो सकती है।

मधुबनी स्टेशन पर एक्सप्रेस कोच में भीषण आग, कोई हताहत नहीं, जांच के आदेश

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को जयनगर-उधना एक्सप्रेस के जनरल कोच में भीषण आग लग गई, जिससे वह डिब्बा पूरी तरह जल गया। हालांकि, गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जिस कोच में आग लगी, वह मरम्मत के काम के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर खड़ा था। अचानक उसमें से घना काला धुआं और लपटें निकलने लगीं, और आग तेजी से पूरे जनरल डिब्बे में फैल गई। घटना के समय ट्रेन में कोई यात्री सवार नहीं था, क्योंकि यह पिछले दो दिनों से स्टेशन पर मरम्मत के लिए खड़ा था। इस वजह से किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने आग देखते ही तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और उसे अन्य कोचों तक फैलने से रोका। इस घटना से स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही, समस्तीपुर रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा विशेष ट्रेन से मधुबनी पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और रेलवे अधिकारियों से आग लगने के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। डीआरएम ने आग लगने के सही कारण की जांच करने और सुरक्षा उपायों में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच समिति गठित करने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों को शुरुआती तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है, हालांकि वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई को भी ससाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन के एक जनरल कोच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी।

कनाडा में गुजराती छात्रा की निर्मम हत्या : नायग्रा फॉल्स में 23 वर्षीय विधि मेघा पर चाकू से हमला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात से उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के सपने लेकर कनाडा गई एक और भारतीय बेटी की दर्दनाक मौत ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। गुजरात के आनंद जिले के बोरसद की रहने वाली 23 वर्षीय विधि मेघा की कनाडा के नायग्रा फॉल्स इलाके में अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, विधि पिछले चार वर्षों से कनाडा में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी भी कर रही थी। बताया जा रहा है कि 15 मई को वह अपने निवास स्थान से निकली थी, जिसके बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। बाद में उसकी हत्या की खबर सामने आने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हृदयविदारक घटना के बाद कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय में भी आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने छात्राओं और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। फिलहाल कनाडाई पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। वहीं, विधि के परिजनों ने भारत सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि उसकी पार्थिव देह को जल्द से जल्द भारत लाने में सहायता की जाए, ताकि वतन में अंतिम संस्कार किया जा सके। एक होनहार और सपनों से भरी युवा बेटी की असमय मौत से बोरसद में मातम पसरा हुआ है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में गहरा शोक व्याप्त है।

भड़काऊ टिप्पणी के मामले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शिकायत

-गुजरातियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के भवानीपुर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनाव प्रचार के दौरान बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुजराती समुदाय को लेकर कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली टिप्पणी की थी। यह शिकायत अर्णब कांति दास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है कि टीएमसी सांसद का यह बयान देश की राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक है। दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि बांग्ला विरोधी गुजराती गैंग और उनके चमचे मिलकर अगर दस जनम भी ले लें, तब भी उनके डायमंड हार्बर मॉडल का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उन्होंने पूरी भारत सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर हिम्मत है तो फलता से चुनाव लड़कर दिखाओ। इस बयान पर आपत्ति जताते हुए शिकायतकर्ता ने तर्क दिया है कि यदि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और होते और तृणमूल कांग्रेस जीत जाती, तो इस सोशल मीडिया पोस्ट से उग्र होकर पार्टी कार्यकर्ता बंगाल में रह रहे गुजराती समुदाय के खिलाफ भारी हिंसा कर सकते थे। शिकायत में कहा गया है कि गैंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर सांसद ने भारत की विविधता को नुकसान पहुंचाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, राजनीतिक मुकाबला सिर्फ राजनीति तक ही सीमित रहना चाहिए, लेकिन एक ऐसी संवैधानिक संस्था को बीच में घसीटना जिसे देश के राष्ट्रपति ने चुना है और विरोधी पार्टी के खिलाफ जहर उगलने के बहाने सीधे देश तथा सरकार को चुनौती दे देना, संविधान के खिलाफ खुले विद्रोह जैसा है।

कई राज्यों में 100 किमी की रफ्तार से चलेगी आंधी, मूसला धार होगी बारिश

दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रौद्र रूप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न राज्यों में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले 48 घंटों के भीतर देश के कई हिस्सों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की विनाशकारी रफ्तार से आंधी-तूफान आने की आशंका है। इसके साथ ही कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और भारी ओलावृष्टि को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 2-3 दिनों में इसके अरब सागर, लक्षद्वीप और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दस्तक देने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बन चुकी हैं।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में 28 मई को लू का हल्का असर रहेगा, लेकिन 29 मई को मौसम रौद्र रूप अख्तियार कर सकता है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 29 और 30 मई को 80 से 100 किमी/घंटे की रफ्तार से विनाशकारी तूफान, भारी बारिश और ओलावृष्टि की प्रबल आशंका है। उत्तर प्रदेश में 28 मई को धूल भरी आंधी और लू चलेगी, जिसके बाद 29 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 80-100 किमी/घंटे और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 60-80 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान आने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान यूपी के कई हिस्सों में ओले गिरने और पश्चिमी यूपी में भारी बारिश की आशंका है।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश

बिहार में प्री-मॉनसून गतिविधियां बेहद उग्र हो गई हैं। राज्य में 28 और 29 मई को भारी बारिश के साथ 60 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है, जिससे कच्चे मकानों और पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। झारखंड में भी 28 मई से 1 जून तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा, जहां 28 से 30 मई के दौरान हवा की रफ्तार 50 से 70 किमी/घंटे रह सकती है। उधर पश्चिम बंगाल में 28 मई को 60 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से भयंकर तूफान और भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि सिक्किम और हिमालय से सटे इलाकों में भी अगले दो दिन रुक-रुक कर बारिश होगी।

पहाड़ी राज्यों और मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ का हाल

मैदानी इलाकों के साथ-साथ पहाड़ों पर भी मौसम तेजी से बदलेगा। जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में 28 और 29 मई को 50-70 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान आ सकता है, जबकि 29 मई को उत्तराखंड में भारी बारिश का विशेष अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में भी 28 से 30 मई के बीच बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बात करें तो 28 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश में भीषण लू की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 29 और 30 मई को पूरे मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि और 50-70 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी 28 मई को लू के बाद 29 मई को ओले गिरने और अगले तीन दिनों तक तेज अंधड़ के साथ बारिश होने के आसार हैं।

तापमान में आएगी भारी गिरावट

इस देशव्यापी आंधी और बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश तक के लोगों को उमस भरी तपती गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। 28 से 30 मई के बीच इन क्षेत्रों के अधिकतम तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। वहीं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में भी 2 जून तक तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 31 मई से तापमान में एक बार फिर 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

बढ़ती महंगाई पर कुमारी सैलजा का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने देश में लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर बढ़ते टैक्स और सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण आम आदमी, विशेषकर मध्यम वर्ग का जीना मुश्किल हुआ है। कांग्रेस नेत्री सैलजा ने कहा कि आज चाय, चीनी, चावल, दाल, कपड़े और चप्पलें तक महंगी हुई हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ी है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि जो परिवार पहले 35,000 रुपये में घर चलाता था, अब 40,000 रुपये में भी संघर्ष करना पड़ रहा है। खाद्य तेल, दालें, चायपत्ती और गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा कीमतों ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार केवल टैक्स वसूली और बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने में व्यस्त है, जनता की परेशानियों पर कोई ध्यान नहीं। महंगाई ने न केवल घरेलू बजट बिगाड़ा है, बल्कि शादी-ब्याह जैसे सामाजिक आयोजनों का खर्च भी आम परिवारों की पहुंच से बाहर कर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल पर अत्यधिक टैक्स में तत्काल कमी करने, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर सख्त नियंत्रण लगाने तथा आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस पार्टी ने भरोसा दिलाया कि वह हमेशा आम आदमी, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग की आवाज उठाती रहेगी और उनके हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

सीएम सम्राट चौधरी का अजीबो-गरीब स्केच वायरल, मजनू भाई की याद दिलाई

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हाल ही में एक बिल्डर द्वारा भेंट किया गया पेंसिल स्केच सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यह चित्र तब चर्चा का विषय बन गया, जब पटना के बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपनी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में से एक में संजीव, जो पल्लव राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी हैं, मुख्यमंत्री को यह चित्र भेंट करते हुए दिखाई दे रहे थे।

जैसे ही तस्वीर सामने आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत स्केच की तुलना बॉलीवुड फिल्म वेलकम के प्रसिद्ध किरदार मजनू भाई की बनाई गई अजीबो-गरीब पेंटिंग से करनी शुरू कर दी। लोगों ने पाया कि यह चित्र मुख्यमंत्री चौधरी से जरा भी मिलता-जुलता नहीं था, जिसके चलते इसकी कलात्मकता पर सवाल उठने लगे। भारतीय युवा कांग्रेस ने भी इस पर तंज कसते हुए पूछा, अंदाजा लगाओ कौन?

एक यूजर ने लिखा, यह पेंटिंग तब बिल्कुल नहीं कही जा सकती। वहीं, कुछ अन्य यूजर्स ने मुख्यमंत्री चौधरी के सहज स्वभाव की सराहना की कि उन्होंने इस विचित्र कलाकृति को भी इतनी विनम्रता से स्वीकार कर लिया। हालांकि, नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का सिलसिला बढ़ने के बाद, बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट से स्केच वाली विशेष तस्वीर हटा दी और कमेंट सेक्शन को भी बंद किया। यह घटना दर्शाती है कि कैसे एक सामान्य सी भेंट भी डिजिटल युग में रातोंरात सुर्खियां बटोर सकती है और व्यापक जनचर्चा का विषय बन सकती है।

सीएम की कुर्सी पर बैठते ही कावेरी जल से बढ़ी विजय की टेंशन

-पानी को लेकर तमिलनाडु-कर्नाटक में एक सदी से चल रहा है विवाद

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत हासिल कर सीएम की कुर्सी पर बैठे सी जोसेफ विजय लगातार चर्चा में हैं। उनके सामने राज्य से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियां सिर उठाए खड़ी है। इनमें सबसे अहम है नदी का पानी और उस पर बांध का प्रोजेक्ट है, जो विजय के सब्र की पहली अग्निपरीक्षा ले रहा है। नदी का नाम है कावेरी, जिसमें बहने वाला पानी तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दो बड़े राज्यों के बीच एक सदी से भी ज्यादा समय से विवाद की वजह बना है।

विजय के सीएम बनने के साथ ही यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। कर्नाटक सरकार की तरफ से मेकेदातु बांध बनाने के ऐलान ने नदी के विवाद को फिर से गहरा दिया। कावेरी नदी को दक्षिण भारत की जीवनरेखा माना जाता है। इसके पानी का बंटवारा केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक संवेदनशील, राजनीतिक और भावनात्मक जंग बन चुका है। यह विवाद हर साल गहराता जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया सालों में यह विवाद की सबसे बड़ी वजह बनकर उभरा है मेकेदातु बांध प्रोजेक्ट। तमिलनाडु की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिव्यू याचिका खारिज हो गई है। विजय पर राजनीतिक दबाव भी बनने लगा है। कावेरी नदी मुख्य रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु में बहती है। यह कर्नाटक के कोडागु जिले में वेस्टर्न घाट की ब्रह्मगिरी पहाड़ियों में स्थित तालकावेरी से निकलती है। यह कर्नाटक में इसका ओरिजिन पॉइंट केरल की सीमा के पास है। फिर यह तमिलनाडु के बड़े हिस्से को कवर करते हुए केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से गुजरते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इस नदी का करीब 54 फीसदी बेसिन क्षेत्र तमिलनाडु में और करीब 41 फीसदी कर्नाटक में आता है।

इस नदी के पानी को लेकर विवाद की जड़ें आज से एक सदी से भी ज्यादा पुरानी हैं। साल 1892 और 1924 में समझौते हो चुके हैं। ब्रिटिश काल में तत्कालीन मैसूर रियासत और मद्रास प्रेसिडेंसी के बीच पानी के बंटवारे को लेकर दो समझौते हुए थे। तमिलनाडु का तर्क है कि इन समझौतों के तहत पानी पर उसका ऐतिहासिक अधिकार है। वहीं कर्नाटक का रुख अलग है। आजादी के बाद कर्नाटक ने इन समझौतों को पुराना और औपनिवेशिक बताते हुए खारिज कर दिया। कर्नाटक का कहना है कि नदी का उद्गम स्थल उसके यहां है, इसलिए अपनी खेती और आबादी की जरूरतों को पूरा करने का पहला हक उसका है।

सुप्रीम कोर्ट के फॉर्मूले के मुताबिक जब मानसून सामान्य रहता है, तब पानी का संकट नहीं होता, लेकिन समस्या तब खड़ी होती है जब कम बारिश होती है। कर्नाटक के जलाशयों में पानी जब कम होता है तो वह तमिलनाडु को उसके हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जताता है। दूसरी ओर तमिलनाडु की 'कुरुवई' और 'थलाडी' यानी धान की फसलें पूरी तरह से कावेरी के पानी पर निर्भर हैं। तमिलनाडु पानी ना मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, जिससे दोनों राज्यों में विरोध प्रदर्शन और तनाव की स्थिति पैदा हो जाती है।

मेकेदातु का शाब्दिक अर्थ होता है- बकरी की छलांग। यह कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक गहरी खाई जैसा है, जहां कावेरी नदी अर्कावती नदी के साथ मिलती है। कर्नाटक सरकार यहां करीब 9000 करोड़ रुपए की लागत से एक 'संतुलन जलाशय' बनाना चाहती है, जिसकी क्षमता करीब 67 टीएमसी पानी स्टोर करने की होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बेंगलुरु शहर और उसके आसपास के जिलों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना है। इसके अलावा यहां से 400 मेगावाट जलविद्युत पैदा करने की भी योजना है।

ममता की योजना में निकला महाघोटाला, 30 लाख फर्जी मिले लाभार्थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर एक बहुत बड़े फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। राज्य सरकार की आंतरिक पड़ताल और समीक्षा के बाद यह बात सामने आई है कि करीब 30 लाख अयोग्य और फर्जी लोग इस योजना के तहत हर महीने मिलने वाले डायरेक्ट कैश बेनिफिट (डीबीटी) का गलत तरीके से फायदा उठा रहे थे। अब तक राज्य की करीब 2.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में इस योजना के जरिए सीधे नकद राशि ट्रांसफर की जा रही थी, लेकिन अब इस पूरी सूची को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस बड़े प्रशासनिक कदम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नबन्ना में अन्नपूर्णा योजना के लिए नया आवेदन फॉर्म लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का शुरुआती इरादा लक्ष्मी भंडार योजना के लाभार्थियों की सूची को पूरी तरह सत्यापित करना और फिर महिलाओं को नई अन्नपूर्णा योजना के तहत वित्तीय लाभ देना शुरू करना था। लेकिन इस प्रक्रिया के बीच सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि लाखों अयोग्य महिलाओं के नाम इस सूची में जुड़े हुए हैं। प्राथमिक जांच के अनुसार, यह आंकड़ा 30 लाख के आसपास हो सकता है, जिसकी पूरी और सटीक तस्वीर लाभार्थियों द्वारा नए फॉर्म भरकर जमा करने के बाद साफ हो जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले राज्य में लाभार्थियों की जमीनी हकीकत जानने के लिए एक डोर-टू-डोर (घर-घर जाकर) सर्वे शुरू किया गया था। इस सर्वे के जो शुरुआती नतीजे सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि कई ऐसे लोग भी योजना का लाभ उठा रहे थे जो या तो राज्य से बाहर जा चुके हैं, या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, या फिर जिनके नाम डुप्लीकेट वोटर के रूप में एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हमेशा के लिए हटा दिए गए थे। इसके अलावा, इस सूची में कई ऐसे नाम भी शामिल पाए गए जो अस्तित्व में ही नहीं हैं या जो गैर-भारतीय नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने माना कि यह सब पिछली कमियों और आवेदकों के दस्तावेजों के सही तरीके से सत्यापन (वेरिफिकेशन) न होने के कारण हुआ। इस वित्तीय नुकसान को रोकने और वास्तविक लाभार्थियों को हक दिलाने के लिए अब सरकार ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत लाभार्थियों को 12 पन्नों का एक नया फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरना होगा। इस फॉर्म में परिवार की पूरी जानकारी, राशन कार्ड, गाड़ी, जमीन, मकान जैसी संपत्तियों का ब्योरा और परिवार में किसी सदस्य के सरकारी नौकरी में होने या न होने की स्पष्ट घोषणा करनी होगी। जो लोग ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर कार्यालय जाने में असमर्थ हैं, उनके लिए प्रशासन अगले एक महीने तक घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की विशेष सेवा शुरू करेगा। फॉर्म भरने और जमा करने की यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने तक चलेगी। सरकार ने यह साफ किया है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे हैं, लेकिन उन्होंने ट्रिब्यूनल में अपील की है या सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, उनका लाभ नहीं रोका जाएगा। साथ ही, जब तक सभी योग्य लाभार्थियों को अन्नपूर्णा योजना में पूरी तरह स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता, तब तक लक्ष्मी भंडार योजना सुचारू रूप से चलती रहेगी।

मुस्लिम समुदाय ने ईद पर गाय को राष्ट्रमाता बनाने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर मुस्लिम समुदाय ने आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया। नमाज अदा करने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं ने महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखी, जिसमें गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग प्रमुख रही।

समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद देकर देशवासियों से आपसी एकता को इतना मजबूत करने का आह्वान किया ताकि कोई भी सांप्रदायिक ताकत तोड़ न सके। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए यदि कोई कुर्बानी देनी पड़ी, तब वे उसके लिए तैयार हैं। सपा नेता मेहरोत्रा ने मोदी सरकार से गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की और भाजपा पर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल मुद्दे खड़े करने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य द्वारा घोषित धर्मयुद्ध का समर्थन करने की भी बात कही।

वहीं, सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने भी गाय को राष्ट्रीय दर्जा देने की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने पहले ही गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की बात कही है और उन्हें किसी के बयान (अविमुक्तेश्वरानंद) में पड़ने की जरूरत नहीं है। ईदगाह में नमाज के बाद देश में अमन-शांति, भीषण गर्मी से निजात और जनगणना में सक्रिय भागीदारी के लिए भी दुआ मांगी गई। मौलाना खालिद राशिद फिरंगी महली ने बताया कि बड़ी संख्या में मुसलमानों ने अच्छे माहौल में नमाज अदा की। उन्होंने जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। मौलाना ने स्पष्ट किया कि कुर्बानी केवल उन्हीं जानवरों की की जाए जिन पर कोई कानूनी बंदिश नहीं है, ताकि त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जा सके।

स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत का डंका: अमेरिका-चीन के क्लब में शामिल

- स्वदेशी हाइड्रोजन बैलून तकनीक से दुनिया में बढ़ा दबदबा

- सस्ते इंटरनेट और सटीक आपदा प्रबंधन का नया दौर

- 25 किमी ऊंचाई तक पहुंचा 'विस्टा'

-लॉन्च हुआ पहला स्वदेशी स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अंतरिक्ष और नियर स्पेस तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निजी अंतरिक्ष कंपनी रेड बैलून एरोस्पेस ने देश का पहला स्वदेशी सुपर-प्रेशर स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इसके साथ ही भारत अमेरिका, फ्रांस, जापान और चीन जैसे चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास स्वदेशी हाइड्रोजन स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून क्षमता मौजूद है। वर्ष 2025 में परिचालन शुरू करने वाली रेड बैलून एरोस्पेस ने महज आठ महीनों में अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान को अंजाम देकर तेजी से विकसित होने वाली वैश्विक परियोजनाओं में जगह बना ली है। कंपनी का 'विस्टा' सुपर-प्रेशर प्लेटफॉर्म विजयवाड़ा के इंदिरा गांधी स्टेडियम से लॉन्च किया गया, जिसने पृथ्वी से करीब 25 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर कई तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए। इस मिशन में सात राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के पेलोड शामिल थे। इनमें जैविक प्रयोग प्रणाली, प्रणोदन तकनीक, ऑनबोर्ड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म, पृथ्वी अवलोकन सेंसर और नेविगेशन सत्यापन प्रणाली जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का परीक्षण किया गया। सभी प्रयोग सफल रहने से अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मानकों के अनुरूप भारत की तकनीकी क्षमता साबित हुई है। 'मिशन साना' दूरसंचार, आपदा प्रबंधन, पृथ्वी अवलोकन और निगरानी के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। विस्टा प्लेटफॉर्म ऊंचाई पर एक टावर की तरह काम करता है, जिससे उन इलाकों में भी नेटवर्क और निगरानी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं, जहां सामान्य संचार व्यवस्था कमजोर है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ सीवीएस किरण ने कहा कि विस्टा उनकी मुख्य प्लेटफॉर्म तकनीक है और आने वाले महीनों में इसकी क्षमताओं का और विस्तार किया जाएगा। वहीं, सीओओ सिरीश पल्लिकोंडा ने बताया कि एक ही मिशन के जरिए कई संगठनों और उद्योगों को सेवाएं देने से लागत कम होगी और नियर स्पेस तक पहुंच आसान बनेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, 20 से 50 किलोमीटर के बीच का समताप मंडल अब तक कम इस्तेमाल किया गया क्षेत्र रहा है। ऐसे प्लेटफॉर्म उपग्रहों की तुलना में कम लागत में उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग, तेज तैनाती और आपदा प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम हैं।

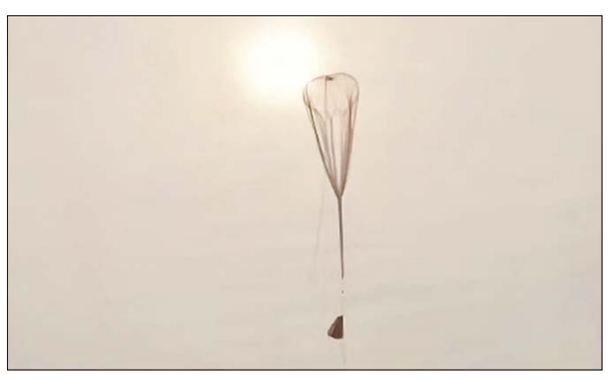

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निमार्ताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

संपादकीय

मूल्यांकन पर आंच

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी।

वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाह्म के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए।

डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।

गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

कांतिलाल मांडोत

कांगो से आए युवक में संक्रमण की आशंका से स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट...

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई।

इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान की जा सके।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है।

अहमदाबाद मनपा संचालित एसवीपी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरूआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए।

गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमों को अलर्ट रखा गया है।

यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और बढ़ती आवाजाही के कारण किसी भी देश में संक्रमण पहुंचने की संभावना बनी रहती है। ऐसे समय में मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव साबित होती है। फिलहाल पूरे राज्य की नजर मरीज की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सतर्कता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकता है।

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे ह्यअंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवसह्ल के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

उ. कोरिया ने छोटी दूरी की मिसाइलों व कई प्रक्षेपास्त्रों को दागा

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने देश के पश्चिमी तट के पास के समुद्र की ओर कई मिसाइलें दागीं हैं। इनमें एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। उसने कहा, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के उत्तरी प्योंग्यान प्रांत के चोंगजू के पास से दागी गईं, जो करीब 80 किमी दूर तक गईं। 19 अप्रैल के बाद उत्तर कोरिया का यह पहला ज्ञात मिसाइल प्रक्षेपण है, जब देश ने कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें टेस्ट कीं। वे क्लस्टर बमों से लैस थीं।

बेल्जियम में ट्रेन से टकराई स्कूल वैन दो छात्रों समेत चार की मौत

बुगेनहाउट , एजेंसी। बेल्जियम के बुगेनहाउट शहर में मंगलवार को रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रेन और स्कूल वैन की टक्कर में दो विशेष जरूरत वाले छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 12 और 15 वर्ष के दो छात्रों, 49 वर्षीय वैन चालक और 27 वर्षीय महिला परिचारिका की जान गई। वैन सात छात्रों को स्कूल लेकर जा रही थी।

कनाडा में जबरन वसूली को लेकर 17 भारतवंशी गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा पुलिस ने दक्षिण एशियाई व्यापारियों और समुदाय को निशाना बनाकर जबरन वसूली, संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में 17 भारतवंशी गिरफ्तार किए हैं।?पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जबरन वसूली टास्क फोर्स ने स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डराने-धमकाने, धमकियों और हिंसा के एक समन्वित अभियान का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के संबंध फॉर ब्रदर्स नामक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से हैं। आरोपियों में इकबाल सिंह, आकाशदीप सिंह, रविंदर सिंह, जशनबीर सिंह, दिलावरप्रीत, मनदीप सिंह, प्रभदीप सोहल, परतापबीर घुमन, अजयदीप सिंह, नवरूप, राजन, अमृतजोत, जशनप्रीत, गुनीत, सुखविंदर, मोहिंदर व गौतम शामिल हैं। आरोपियों का संबंध 24 घटनाओं से है, जिनमें फॉर ब्रदर्स से जुड़ी 16 हिंसक घटनाएं शामिल हैं।

तिब्बती संस्कृति पर चीन के दृष्टिकोण को दी गई चुनौती

बीजिंग, एजेंसी। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अधीन प्रमुख सांस्कृतिक संस्था तिब्बत प्रदर्शन कला संस्थान (टीआईपीए) ने चीन पर उनकी पहचान को मिटाने और विकृत करने का आरोप लगाया है। उसने चेक गणराज्य में दो दशकों के बाद आयोजित एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन पर चीन को चुनौती दी कि उसका दृष्टिकोण तिब्बती संस्कृति को लेकर गलत है। इस कार्यक्रम में तिब्बत में बीजिंग की नीतियों पर चिंता भी जताई गई। प्राग में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान तिब्बती संगीत, ओपेरा और पारंपरिक नृत्य को यूरोपीय दर्शकों के सामने पेश किया गया।

बांग्लादेश ने आईएमएफ से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की है। आईएमएफ ने कहा कि वह बांग्लादेश के साथ मिलकर आर्थिक सुधारों और नीतियों पर चर्चा कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी इवो क्रजनार ने कहा कि संस्था बांग्लादेश को मजबूत आर्थिक स्थिरता, विकास और वित्तीय सुधारों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि पुराना आईएमएफ कार्यक्रम उस समय तैयार किया गया था, जब देश की आर्थिक स्थिति अलग थी। अब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू हालात बदलने से कई सुधारों को लागू करना कठिन हो गया है ।सरकार ने साफ किया है कि वह सुधारों से पीछे नहीं हट रही, बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना चाहती है। फरवरी में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद यह बड़ा आर्थिक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती महंगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईएमएफ का नया कार्यक्रम बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

ट्रंप प्रशासन को झटका: फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए झटका माना जा रहा है। अमेरिका के स्थायी निवासी खलील को साल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के कारण अप्रवासन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अमेरिकी सरकार ने दलील दी थी कि खलील की मौजूदगी देश की विदेश नीति के हितों के लिए नुकसानदेह है।

क्या है पूरा मामला : कई महीनों तक हिरासत में रहने के बाद न्यूजर्सी की एक संघीय अदालत ने खलील को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सरकार की कार्रवाई असंवैधानिक थी। इसके बाद यूएस थर्ड अपीलीय सर्किट कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि न्यूजर्सी के जज को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था और मामला पहले इमिग्रेशन अदालतों में चलना चाहिए। हालांकि मंगलवार को अपीलीय अदालत ने अपने फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी, ताकि खलील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

गर्मियों के अंत में दायर की जाएगी याचिका : खलील की पैरवी कर रहे अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के वरिष्ठ वकील ब्रेट मैक्स कॉफमैन ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग करेंगे कि सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए हिरासत और निर्वासन की धमकी का इस्तेमाल नहीं कर सकती।' सुप्रीम कोर्ट में अपील आने वाले महीनों में, संभवतः गर्मियों के अंत तक, दायर की जा सकती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस फैसले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, अब तक 555 बच्चों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे 15 मार्च 2026 से अब तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से इनमें से एक मौत की पुष्टि खसरे की वजह से की गई है, जबकि बाकी नौ मामलों को संदिग्ध माना गया है। ढाका डिवीजन में संदिग्ध मौतों की संख्या सबसे अधिक रही है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 1,083 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 66,023 तक पहुंच गई है। इसी अवधि में 53 नए पुष्टि किए गए मामले भी दर्ज हुए, जिसके बाद कुल पुष्टि मामलों की संख्या 8,772 हो गई है। 15 मार्च से अब तक 52,530 संदिग्ध मरीजों (बच्चों) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 48,800 ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में देशव्यापी आपातकालीन खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 6 महीने से 5 साल तक के लगभग 18 मिलियन बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और टीका और प्रतिरक्षा के लिए गठित वैश्विक गठबंधन (जीएवीआई-गावी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के असर से आने वाले कुछ हफ्तों में स्थिति नियंत्रण में आने की उम्मीद है और मरीजों की संख्या में गिरावट आएगी।

हाल ही में यूनिसेफ ने दावा किया कि अंतरिम सरकार के दौर में उन्होंने बार-बार चेताया था कि अगर उचित कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। प्रेस वार्ता में बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान 10 बैठकों में भी यह मामला उठाया गया था।

होर्मुज में अमेरिकी हमले से तनाव

ईरान ने दी इजरायल को मिटाने की बड़ी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता के बीच हालात फिर से बहुत ज्यादा विस्फोटक और तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका ने होर्मुज और बंदरअब्बास इलाके में ईरानी नौसेना की नावों और मिसाइल ठिकानों को अपना सीधा निशाना बनाया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने बेहद आक्रामक बयान देते हुए अपनी गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस नए हमले के बाद इजरायल का दुनिया के नक्शे से मिटना अब पूरी तरह से तय है।

ईरान की इस खतरनाक धमकी को वेस्ट एशिया में संभावित बड़े सैन्य टकराव की एक बहुत ही गंभीर चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस भयंकर हमले के कुछ घंटे पहले ही ईरान के साथ शांति की उम्मीद जताई थी। लेकिन अचानक हुए इस बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक नए और भयानक महायुद्ध की गहरी चिंता में डाल दिया है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका को करारा जवाब देकर उसका खतरनाक मकसद पूरी तरह से नाकाम कर दिया है।

अमेरिकी सेना का स्पष्टीकरण

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को बहुत ज्यादा और सीधा खतरा हो सकता था। इसी गंभीर खतरे को तुरंत रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना ने यह कड़ा और बहुत ही अहम सैन्य कदम उठाया है। सेना ने स्पष्ट कहा कि युद्धविराम के दौरान भी अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हमेशा रहेगी।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इसे युद्धविराम का सीधा उल्लंघन बताया है और बहुत कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने फारस की खाड़ी में घुसपैठ करने वाले एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है। ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय है और वह अमेरिका के रूक 9 रीपर ड्रोन पर बड़ी कार्रवाई कर चुका है।

अमेरिकी जहाजों पर फायरिंग

ईरान ने यह भी बड़ा दावा किया है कि उसने अमेरिका के निगरानी ड्रोन और स्टील्थ फाइटर जेट पर भी लगातार फायरिंग की है। इस भारी फायरिंग के बाद अमेरिकी विमानों को अपनी जान बचाकर पीछे हटने के लिए पूरी तरह से मजबूर होना पड़ा है। ईरान ने साफ कहा है कि यदि अमेरिका ने फिर हमला किया तो इस बार उनका जवाब पहले से बहुत ज्यादा गंभीर होगा।

ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेखरची ने कहा कि हमने अपने सभी जरूरी टारगेट तय कर लिए हैं और हम युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान को तेल निर्यात से रोका गया तो पूरे क्षेत्र से तेल सप्लाई हमेशा के लिए रुक जाएगी। ईरान ने यह भी दोहराया कि रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट पर केवल उसी का नियंत्रण हमेशा के लिए पूरी तरह से बना रहेगा।

वाशिंगटन की पेपर मिल में बड़ा हादसा

केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के लॉन्गव्यू शहर में एक पल्प और पेपर मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सोशल मीडिया पर जारी एक संयुक्त बयान में निप्पॉन डायनावव्वे पैकेजिंग कंपनी और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि टैंक फटने की वजह से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ की जान चली गई। हालांकि, अब तक मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई गई है। स्थानीय पुलिस, फायर विभाग और कंपनी अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार सुबह निप्पॉन डायनावव्वे पैकेजिंग फैक्ट्री में व्हाइट लिकर नाम के केमिकल वाला टैंक फट गया। यह केमिकल कागज बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होता है।

वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने सोशल मीडिया पर हादसे में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया और कहा कि राज्य के इकोलॉजी विभाग की टीमों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा, 'मेरी टीम और मैं लॉन्गव्यू में हुए इस बड़े केमिकल

विस्फोट की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हमारे राज्य के इकोलॉजी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि इस हादसे में लोगों की जान गई है। मेरी संवेदनाएं कर्मचारियों, उनके परिवारों और राहत-बचाव में लगे लोगों के साथ हैं।'

लॉन्गव्यू फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि वह निप्पॉन डायनावव्वे फैक्ट्री में हुए खतरनाक केमिकल हादसे पर काम कर रहा है। केमिकल ट्रीटमेंट वाले बड़े टैंक के फटने से कई लोग झुलस गए और घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से इलाके से दूर रहने को कहा गया है, ताकि राहत और बचाव का काम आसानी से चल सके। यह फैक्ट्री वाशिंगटन और ओरेगन की सीमा के पास कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। वाशिंगटन स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी के अनुसार, यहां क्राफ्ट पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। फिलहाल हादसे की वजह की जांच की जा रही है।

आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

यह हादसा लॉन्गव्यू इलाके में स्थित निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की मिल में हुआ। कंपनी और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त बयान में बताया कि एक बड़े केमिकल टैंक में अचानक विस्फोट जैसा दबाव बना और वह अंदर की तरफ धंस गया। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। हालांकि मरने वालों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि कई लोगों को जहरीली गैस के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई।

बेल्जियम में स्कूल बस की ट्रेन से भीषण टक्कर, कई लोगों की मौत से मचा हड़कंप

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में ट्रेन ने एक स्कूल बस को तेज टक्कर मारी है। इस भीषण हादसे में बस में सवार स्टाफ और बच्चों में से कई लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा सेथानीय समय के अनुसार, सुबह 8.15 मिनट पर हुआ है। बता दें कि जब ट्रेन गुजर रही थी तो फाटक बंद था और लाल बत्ती जल रही थी। फिलहाल, ट्रेन के यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और इमरजेंसी सर्विस मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरी बेल्जियम में सात बच्चों को ले जा रही एक स्कूल मिनीबस को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। बता दें कि बुगेनहौट गांव में एक लेवल क्रॉसिंग पर टक्कर के बाद बस में सवार कई लोगों की मौत हो गई है।

एक पुलिस प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिनीबस में सात बच्चे, एक सुपरवाइजर और एक ड्राइवर सवार थे। बेल्जियम पुलिस ने फिलहाल इस घटना में मौतों की संख्या कन्फर्म करने से मना कर दिया है। स्पोक्सपर्सन फ्रेडरिक सैक्रे ने कहा कि टक्कर बहुत ज़ोरदार थी और मौत का आंकड़ा बहुत ज्यादा है।यूरोपीय यूनियन चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हादसे पर अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज, यूरोप बेल्जियम के दुख में साथ खड़ा है। बेल्जियम के गृह मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन ने भी इस हादसे को लेकर एक्स पर लिखा कि मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं और मैं घायलों के साथ खड़ा हूं।

बीपी ने चेयरमैन को हटाया, कंपनी में फिर बढ़ा विवाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की बड़ी तेल कंपनी बीपी ने अपने चेयरमैन अल्बर्ट मैनिफोल्ड को अचानक पद से हटा दिया है। कंपनी ने कहा कि उनके कामकाज, निगरानी और व्यवहार से जुड़े गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीपी बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से इयान टायलर को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। अल्बर्ट मैनिफोल्ड को पिछले साल अक्तूबर में चेयरमैन बनाया गया था।

इससे पहले वह निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी सीआरएच के प्रमुख रह चुके हैं। बीपी ने उन्हें कंपनी में बड़े बदलाव लाने के लिए चुना था। हालांकि हाल के महीनों में कंपनी की नीतियों को लेकर शेयरधारकों और पर्यावरण समूहों की नाराजगी बढ़ गई थी। बीपी पहले हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन बाद में उसने फिर तेल और गैस कारोबार पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव की काफी आलोचना हुई। कंपनी की कमाई भी प्रभावित हुई है। 2025 में बीपी की आय में 16 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा 86 प्रतिशत तक घट गया।

'अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक': एंटोनियो गुटेरेस

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है।

सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद : गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव

ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है।

सुरक्षा परिषद की भूमिका पर उठाए सवाल

गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, 'जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं।'

यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र

महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई।

चुनौतियों से निपटने के लिए तीन-आयामी रणनीति

इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान किया: संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता था: समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

असली आज़ादी

शुक्रवार 29, मई 2026, दमण।

संक्षिप्त डायरी

पटना के बिहटा में भीषण गर्मी में बंद पड़ा सार्वजनिक प्याऊ

पटना (एजेंसी) पटना के बिहटा में भीषण गर्मी में बंद पड़ा सार्वजनिक प्याऊ, वार्ड 27 के लोगों में नाराजगी, राहगीर पानी के लिए परेशान, भीषण गर्मी के बीच इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को पानी के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लोगों का कहना है कि पानी की सुविधा बंद होने से उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ रहा है. (मोनु कुमार मिश्रा) बिहटा नगर परिषद के वार्ड संख्या 27 स्थित सहवाजपुर-पाण्डेयचक तीनमुहानी पर लगा सार्वजनिक प्याऊ पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ा है. बताया जा रहा है कि प्याऊ का मोटर खराब हो जाने के कारण यहां पेयजल की आपूर्ति ठप हो गई है राहगीरों और स्थानीय लोगों को हो रही भारी परेशानी भीषण गर्मी के बीच इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को पानी के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लोगों का कहना है कि पानी की सुविधा बंद होने से उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ रहा है. शिकायत के बावजूद अब तक नहीं हुआ सुधार स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इसकी सूचना नगर परिषद और संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन अब तक मोटर की मरम्मत नहीं कराई गई है. इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. लोगों ने जल्द मरम्मत कर प्याऊ चालू करने की मांग की ग्रामीणों और राहगीरों ने नगर परिषद प्रशासन से जल्द से जल्द मोटर ठीक कर प्याऊ को दोबारा चालू कराने की मांग की है, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके.

अब रियलिटी शो में दिखेंगे तेज प्रताप यादव, 'भोजपुरी बवाल' में पवन-निरहुआ संग करेंगे कमाल

पटना (एजेंसी) राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अब रियलिटी शो में दिखने वाले हैं. भोजपुरी इंडस्ट्री का नया रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' जल्द ही लॉन्च होने वाला है. इसमें भोजपुरी इंडस्ट्री के फेमस कलाकारों के साथ तेज प्रताप यादव भी देखेंगे. जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव राजनीति के बाद अब रियलिटी शो में भी दिखने वाले हैं. खास बात यह होगी कि भोजपुरी इंडस्ट्री के कई कलाकारों के साथ इस बार वे कमाल दिखाएंगे. जानकारी के मुताबिक, भोजपुरी इंडस्ट्री का नया रियलिटी शो द्दभोजपुरी बवालद्द जल्द लॉन्च होगा. इसमें भोजपुरी सिनेमा और राजनीति से जुड़े चर्चित चेहरे शामिल होंगे. इन कलाकारों के साथ दिखेंगे तेज प्रताप चर्चा है कि शो में भोजपुरी इंडस्ट्री के पावरस्टार कहे जाने वाले पवन सिंह, दिनेश लाल यादव, आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी भी नजर आएंगी. साथ ही बिहार की राजनीति का चर्चित चेहरा तेज प्रताप यादव भी इस शो का हिस्सा होंगे. शो के जरिए फैंस को भोजपुरी सितारों की जिंदगी को करीब से देखने का मौका मिलेगा. इसमें कलाकारों की प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ के कई अनदेखे पहलू भी दिखाए जाएंगे. शो में सितारों के बीच मस्ती, बातचीत, इमोशनल मोमेंट और पर्दे के पीछे की जिंदगी देखने को मिलेगी. भोजपुरी दर्शकों के लिए यह शो एक बड़ा एंटरटेनमेंट पैकेज माना जा रहा है. इसमें तेज प्रताप यादव के बारे में भी लोगों को नजदीक से जानने का मौका मिल सकता है. तेज प्रताप सोशल मीडिया पर एक्टिव तेज प्रताप यादव राजनीति में एक्टिव होने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव रहते हैं. ळ इ'ड्ढ के नाम से तेज प्रताप यादव ने एक यूट्यूब चैनल भी बनाया है. इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स के जरिए कई पोस्ट शेयर करते रहते हैं. कभी कृष्ण अवतार तो कभी शिव के अवतार में उन्होंने कई बार फोटो शेयर किया.
बेबाक बयानों और अलग अंदाज के लिए तेज प्रताप फेमस इस तरह से देखा जाए तो तेज प्रताप यादव अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं. तेज प्रताप यादव से जुड़े कई मामले जैसे कि राजनीतिक बयानबाजी, ऐश्वर्या राय से तलाक का मामला, अनुष्का यादव प्रकरण, पार्टी और परिवार से निकाले जाना, भाई तेजस्वी यादव से खटपट को लेकर पहले चर्चा में आ चुके हैं. ऐसे में अब राजनीति के बाद वे रियलिटी शो में भी दमखम दिखाने वाले हैं.

सरकारी जमीन पर गड़बड़ी करने वालों की अब खैर नही

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार सरकारी जमीन के रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए सख्त कदम उठाने जा रही है. राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने साफ कहा है कि सरकारी जमीन किसी और के नाम करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी. साथ ही जमीन से जुड़े सभी कार्यों को पूरी तरह ऑनलाइन करने की तैयारी है. (कृष्ण कुमार, पटना) राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि सरकारी जमीन का रिकॉर्ड दुरुस्त करना हम सभी की जिम्मेदारी है. यदि सरकारी जमीन किसी अन्य व्यक्ति के नाम की जाती है तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि इस संबंध में राज्य सरकार जल्द ही नया कानून लाने जा रही है. मंत्री डॉ. जायसवाल गुरुवार को लगातार तीसरे दिन विभागीय समीक्षा बैठक कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुपौल, रोहतास और पटना जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा की. समीक्षा बैठक में उन्होंने भ्रष्टाचार और लापरवाही को लेकर अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस की चेतावनी दी. जमीन से जुड़ा हर काम होगा ऑनलाइन बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि जमीन से संबंधित सभी कार्य अब केवल ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाएंगे. इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और आम लोगों को दलालों एवं भ्रष्टाचार से राहत मिलेगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अंचल स्तर पर एक्टिव दलालों पर कड़ी नजर रखी जाए. साथ ही, भ्रष्टाचार पर निगरानी के लिए आर्थिक अपराध इकाई का विशेष सेल गठित किया गया है. मंत्री ने बताया कि विभाग के करीब पौने दो सौ अधिकारी इस सेल की निगरानी में हैं. भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने का लक्ष्य डॉ. जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सभी योग्य भूमिहीन परिवारों को वास भूमि उपलब्ध कराना है. इसके लिए ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द जमीन उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े मामलों का तय समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े. 15 दिनों में सुधार दिखाने का निर्देश समीक्षा के दौरान मंत्री ने पटना, सुपौल और रोहतास जिले की रैंकिंग एवं कार्य प्रगति का भी जायजा लिया. उन्होंने अधिकारियों को अगले 15 दिनों के भीतर स्पष्ट सुधार दिखाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सभी जिलों को टॉप-10 में स्थान बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना होगा. खासकर पटना जैसे महत्वपूर्ण जिले की रैंकिंग में हर स्तर पर सुधार जरूरी है. इसके लिए जिलाधिकारी और अपर समाहर्ता नियमित मॉनिटरिंग करें. बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटारा करने का निर्देश दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता और अंचलाधिकारी जुड़े रहे. इसके अलावा बैठक में सचिव सीमा त्रिपाठी, विशेष सचिव इनायत खान, अपर सचिव प्रशांत सीएच, डॉ. महेंद्र पाल, आजीव वत्सराज, विशेष कार्य पदाधिकारी मणि भूषण किशोर, उप निदेशक मोना झा, उप सचिव संजय कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार, अरविंद कुमार, सहायक निदेशक सह जनसंपर्क पदाधिकारी जूही कुमारी और आईटी मैनेजर आनंद शंकर समेत कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे.

मजनू भाई की पेंटिंग से हुई बिहार के CM सम्राट चौधरी के स्केच की तुलना, वायरल होने पर बिल्डर ने हटाई तस्वीर

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक बिल्डर द्वारा भेंट किया गया पेंसिल स्केच सोशल मीडिया पर गलत कारणों से वायरल हो रहा है। यह स्केच सीएम से बिल्कुल नहीं मिलता-जुलता, जिससे यूजर्स को फिल्म 'वेलकम' के मजनू भाई के चित्र याद आ गए और स्केच की कलात्मकता पर सवाल उठ रहे हैं। बढ़ती नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बाद, भेंट करने वाले बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने अपनी पोस्ट से विवादित तस्वीर हटा ली है। बिहार के एक बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक चित्र भेंट किया। पेंसिल से बनाया गया यह चित्र अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, हालांकि इसके पीछे गलत कारण हैं। चित्र में मुख्यमंत्री (चौधरी) खुद को दशार्या गया है, लेकिन इसे देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स को बॉलीवुड फिल्म के एक किरदार, मजनू भाई की याद आ गई। पटना के बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने हाल ही में मुख्यमंत्री चौधरी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री के साथ अपनी मुलाकात की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरों में, संजीव श्रीवास्तव चौधरी को कई वस्तुएं भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से एक यह चित्र भी था। इंस्टाग्राम पोस्ट का कैप्शन था, बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पल्लव राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी संजीव श्रीवास्तव जी से सौहार्दपूर्ण मुलाकात। जैसे ही यह तस्वीर वायरल हुई और फिल्म वेलकम के मजनू भाई से इसकी तुलना होने लगी, मुख्यमंत्री की तस्वीर स्वीकार करते हुए फोटो यूजर ने हटा दी, हालांकि पोस्ट अभी भी मौजूद है। पोस्ट के सामने आते ही कई यूजर्स ने बिहार के मुख्यमंत्री का पेंसिल स्केच बनाने वाले की कलात्मकता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। जाहिर है, वे इस तस्वीर से प्रभावित नहीं हुए क्योंकि यह बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से जरा भी मिलती-जुलती नहीं थी। भारतीय युवा कांग्रेस ने इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर उन्होंने लिखा, अंदाजा लगाओ कौन यह तस्वीर में बिहार के मुख्यमंत्री के कार्टून जैसे दिखने वाले चित्र पर एक तंज प्रतीत होता है। कुछ यूजर्स ने मुख्यमंत्री चौधरी द्वारा उपहार स्वीकार करने की सराहना की। एक यूजर ने लिखा, पेंटिंगः इस व्यक्ति ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जो भी उपहार दिया है, उसे पेंटिंग तो बिल्कुल नहीं कहा जा सकता। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एक दयालु व्यक्ति हैं, इसीलिए इस व्यक्ति ने इतने आत्मविश्वास से यह विचित्र कलाकृति भेंट की और फिर भी सुरक्षित निकल गया। एक अन्य यूजर ने इस चित्र के कलाकार की तुलना फिल्म वेलकम के किरदार मजनू भाई से की। उन्होंने लिखा कि मजनू भाई को गर्व होताबिहार की निर्माण कंपनी के निदेशक ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें यह चित्र भेंट कियाङ्क फिर गर्व से चारों तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दीं। यह रिपोर्ट लिखे जाने तक, चौधरी को चित्र भेंट करने वाले बिल्डर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से यह तस्वीर हटा दी थी। उन्होंने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को भी बंद कर दिया था। संभवतः यह कदम पिछले दो दिनों से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के कारण उठाया गया था।

पटना में गर्मी से राहत की तैयारी, अब 7 हजार लीटर वाले वाटर टैंकर बुझाएंगे लोगों की प्यास

पटना (एजेंसी) पटना में गर्मी से राहत की तैयारी, अब 7 हजार लीटर वाले वाटर टैंकर बुझाएंगे लोगों की प्यास. शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी 186 पंप हाउसों के संचालन की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया है. पटना नगर निगम के पास वर्तमान में करीब 120 किलोमीटर लंबा पाइपलाइन नेटवर्क मौजूद है. (हिमांशु देव) राजधानी पटना में लगातार बढ़ती गर्मी और तेज धूप को देखते हुए पटना नगर निगम ने पेयजल व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया है. अब शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए बड़े क्षमता वाले वाटर टैंकर लगाए जाएंगे. 12 नए टैंकर किराये पर लेगा नगर निगम नगर निगम शहर में टैंकरों की संख्या बढ़ाकर 25 करने जा रहा है. इसके लिए 12 अतिरिक्त वाटर टैंकर किराये पर लिए जाएंगे. इन टैंकरों की क्षमता 7 हजार लीटर तक होगी, जिससे ज्यादा लोगों को पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा. स्वच्छ पानी के लिए सख्त निर्देश जारी नगर निगम ने सभी टैंकरों की नियमित सफाई और रोज ताजा पानी भरने का निर्देश दिया है. पानी को दूषित होने से बचाने के लिए टैंकरों के ढक्कन बंद और लॉक रखने को कहा गया है. अधिकारियों को निगरानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है. 186 पंप हाउसों की भी होगी निगरानी शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी 186 पंप हाउसों के संचालन की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया है. पटना नगर निगम के पास वर्तमान में करीब 120 किलोमीटर लंबा पाइपलाइन नेटवर्क मौजूद है. इन प्रमुख जगहों पर लगाए गए हैं वाटर टैंकर फिलहाल गर्दनीबाग रोड नंबर-2, शिवपुर महेंद्रू, ज्ञान भवन, जीपीओ, हड़ताली मोड़, आयकर गोलंबर और दीप नगर पंप हाउस के पास वाटर टैंकर तैनात किए गए हैं. डाकबंगला चौराहा और गांधी मैदान सहित कई स्थानों पर भी

पटना वीमेंस कॉलेज के समर कैंप में छात्राओं ने सीखे ताइक्वांडो और क्रिकेट के गुर, खेल गतिविधियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

पटना (एजेंसी) पटना वीमेंस कॉलेज के समर कैंप में छात्राओं ने सीखे ताइक्वांडो और क्रिकेट के गुर, खेल गतिविधियों में दिखा जबरदस्त उत्साह. प्रशिक्षण सत्र के बाद छात्राओं के बीच क्रिकेट मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. मैच के दौरान छात्राओं में खेल के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला. : (अमृता सिंह) पटना वीमेंस कॉलेज में आयोजित समर कैंप के तीसरे दिन छात्राओं ने खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. पूरे दिन कैंप परिसर में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला. ताइक्वांडो प्रशिक्षण में छात्राओं ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीकें दिन की शुरूआत ताइक्वांडो प्रशिक्षण सत्र से हुई. प्रशिक्षक ज्योति कुमारी ने छात्राओं को वार्म-अप अभ्यास कराने के साथ ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों और आत्मरक्षा कौशल की जानकारी दी. छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया. क्रिकेट सत्र में सिखाए गए बल्लेबाजी और खेल के नियम इसके बाद आयोजित क्रिकेट सत्र में क्वाजी बुशरा अहमद ने छात्राओं को बैट पकड़ने का सही तरीका, बल्लेबाजी की मुद्रा और क्रिकेट में आउट होने के विभिन्न नियमों की जानकारी दी. प्रशिक्षण के बाद ग्रुप लीडरों ने अपनी-अपनी टीमों को अभ्यास भी कराया. छात्राओं के बीच हुआ क्रिकेट मैच प्रशिक्षण सत्र के बाद छात्राओं के बीच क्रिकेट मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. मैच के दौरान छात्राओं में खेल के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला. खेल समन्वयक की देखरेख में चल रहा समर कैंप समर कैंप का आयोजन कॉलेज की खेल समन्वयक डॉ. मंजुला सुशीला के नेतृत्व में किया जा रहा है. मौके पर स्पोर्ट्स सेक्रेटरी ऋचा कुमारी, संयुक्त स्पोर्ट्स सेक्रेटरी खुशी कुमारी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे.

नालंदा में लगेगा समर कैंप, कमजोर बच्चों को भाषा और गणित में दी जाएगी विशेष शिक्षा

पटना (एजेंसी) नालंदा जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 5 एवं 6 के चयनित बच्चों के लिए ग्रीष्मावकाश के दौरान विशेष समर कैंप का आयोजन किया जाएगा. यह कैंप एक जून से 30 जून तक गांव स्तर पर संचालित होगा. समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के भाषा एवं गणितीय कौशल को मजबूत बनाना है. (कुमार उज्जवलानंद गिरि) नालंदा जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 5 एवं 6 के चयनित बच्चों के लिए ग्रीष्मावकाश के दौरान विशेष समर कैंप का आयोजन किया जाएगा. यह कैंप एक जून से 30 जून तक गांव स्तर पर संचालित होगा. समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के भाषा एवं गणितीय कौशल को मजबूत बनाना है. कमजोर बच्चों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण समग्र शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मो. शाहनवाज ने बताया कि प्रारंभिक विद्यालयों में पढ़ने वाले वैसे छात्र-छात्राएं जो भाषा और गणित में अपेक्षाकृत कमजोर हैं, उनके लिए प्रथम संस्था के सहयोग से विशेष समर कैंप आयोजित किया जाएगा. कैंप के दौरान बच्चों को सरल भाषा और गणित की विशेष शिक्षा दी जाएगी. स्वयंसेवकों की मदद से चलेगा कैंप उन्होंने बताया कि समर कैंप का संचालन निःशुल्क सेवा देने वाले स्वयंसेवकों की सहायता से किया जाएगा. जिले के सभी शिक्षा सेवक और तालिमी मरकज कर्मी अपने-अपने केंद्रों पर स्वयंसेवक के रूप में कैंप चलाएंगे. प्रशिक्षित स्वयंसेवक असर टूल के माध्यम से बच्चों का चयन कर प्रतिदिन एक से डेढ़ घंटे तक विशेष पढ़ाई कराएंगे. हर कैंप में शामिल होंगे 10 से 15 बच्चे प्रत्येक समर कैंप में 10 से 15 छात्र-छात्राओं को शामिल किया जाएगा. बच्चों को भाषा और गणित की बुनियादी समझ मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा. समर कैंप के लिए स्वयंसेवकों को जिला रिसोर्स पर्सन और प्रखंड नोडल पर्सन द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. जिला स्तर पर तैयार किए गए मास्टर ट्रेनर स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर भी नियुक्त किए गए हैं. इनमें डॉ. अभिनव कुमार, प्रशांत प्रियदर्शी, सुनील कुमार तांती और अनूप कुमार सिन्हा का चयन किया गया है. ये सभी प्रखंड स्तर के ट्रेनरों को प्रशिक्षित करेंगे. बच्चों को उच्च कक्षाओं के लिए तैयार करना है उद्देश्य जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि विभिन्न सर्वेक्षणों में यह सामने आया है कि कक्षा 5 एवं 6 के कई बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं. समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को सरल पाठ को धारा प्रवाह पढ़ने, समझने और अपने विचार व्यक्त करने में सक्षम बनाना है. साथ ही गणित में संख्या पहचान, संक्रिया और शाब्दिक सवाल हल करने की क्षमता विकसित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तैयारियों की हुई समीक्षा समर कैंप के सफल संचालन को लेकर बुधवार को सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कृष्ण कुमार दास ने ऑनलाइन बैठक कर सभी संबंधित कर्मियों से तैयारियों की जानकारी ली. बैठक में नामांकन अभियान और समर कैंप को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए. अधिकारियों ने एक जून से हर हाल में कैंप शुरू करने का निर्देश दिया.

बरेली की ईदगाहों-मस्जिदों में हजारों लोगों ने अदा की नमाज, अमन-चैन की दुआ मांगी

बरेली (एजेंसी) बरेली में ईद-उल-अजहा पर बृहस्पतिवार को नमाज अदा कर लोगों ने एक-दूसरे को मुबाकरबाद दी। ईदगाह के साथ ही शहर की सभी छोटी-बड़ी मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ रही। बरेली में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार बृहस्पतिवार को धूमधाम से मनाया गया। हजारों लोगों ने ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा कर अमन-चैन की दुआ मांगी। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। नगर निगम ने भी साफ-सफाई और अपशिष्ट निस्तारण के लिए विशेष व्यवस्था की। शहर की मुख्य नमाज बाकरगंज स्थित ईदगाह में अदा की गई, जहां हजारों नमाजियों की भीड़ उमड़ी। इमामों ने हजरत इब्राहीम और हजरत इस्माइल की कुर्बानी की दास्तां बयां की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके बाद घरों में जानवरों की कुर्बानी का सिलसिला शुरू हो गया। पुलिस प्रशासन ने त्योहार के मद्देनजर संवेदनशील इलाकों में पुलिसकर्मी तैनात किए थे। सोशल मीडिया पर भी लगातार नजर रखी जा रही थी। लोगों ने मुल्क में अमन-ओ-चैन और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। शहर से लेकर देहात तक बकरीद की रौनक देखी गई। साफ-सफाई और अपशिष्ट निस्तारण नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग बकरीद को लेकर अलर्ट पर रहा। शहर में साफ-सफाई, फॉगिंग और अपशिष्ट निस्तारण के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए। मुख्य सफाई निरीक्षक एमपीएस राठौर ने बताया कि सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए कर्मचारियों की विशेष तैनाती की गई है। कुर्बानी के अवशेष तुरंत हटाने के लिए 45 वाहन लगाए गए। जोन एक में सबसे ज्यादा 22 कुर्बानी स्थल चिह्नित किए गए हैं। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।यह बाजार की सबसे महंगी खरीद रही। एक बकरे की कीमत 70 हजार रुपये तक पहुंची। पुराना शहर के बजरिया इनायतगंज के एक व्यापारी से झगड़े वाली मठिया के एक व्यवसायी परिवार ने ये बकरे खरीदे। हाजी साकिब और हाजी नजाकत उल्ला ने दो लाख रुपये का सबसे महंगा पड्डा खरीदा। शेरू और सुल्तान नाम के बकरे भी आकर्षण का केंद्र रहे, जिनकी कीमत 50 हजार से 60 हजार रुपये तक रही। यातायात मार्ग परिवर्तन बकरीद के मद्देनजर बृहस्पतिवार सुबह पांच बजे से ईद के कार्यक्रमों की समाप्ति तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा।

नदियों का सीना चीरकर खनन, कालिख पुते डंपरों में ढो रहे रेत, एनजीटी और पर्यावरण नियमों को ठेंगा

झांसी (एजेंसी) पट्टों में प्रतिवर्ष सीमित मात्रा और नौ माह तक खनन की अनुमति होती है। सामान्य तौर पर 30 से 50 वाहनों तक परिवहन की इजाजत रहती है, लेकिन कई घाटों से रोजाना 300 से अधिक वाहन रेत लेकर निकल रहे हैं। बुंदेलखंड की नदियां इन दिनों रेत माफिया के निशाने पर हैं। एनजीटी और पर्यावरण विभाग के नियमों को ताक पर रखकर बेतवा, धसान, पहूज और सुखनई जैसी नदियों का सीना मशीनों से छलनी किया जा रहा है। वैध बालू घाटों की आड़ में अवैध खनन का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। बिना रॉयल्टी चुकाए कालिख पुते और बिना नंबर प्लेट वाले डंपरों से रेत बाहर भेजी जा रही है। इससे जहां पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं सरकारी खजाने को भी करोड़ों रुपये की चपत लग रही है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी अवैध रेत खनन पर सख्त नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने बिना रजिस्ट्रेशन और नंबर प्लेट वाले वाहनों से रेत ढुलाई पर रोक लगाने और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद झांसी में हालात जस के तस नजर आए। पड़ताल में सामने आया कि टहरौली क्षेत्र के कलौथरा, कल्याणपुरा और लुहरगांव घाटों से रोजाना ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिये अवैध तरीके से रेत निकाली जा रही है। बाद में इसे एक स्थान पर जमा कर बिना नंबर प्लेट वाले डंपरों से बाहर भेज दिया जाता है। इसी तरह चिरगांव के मुराटा और महेवा खेरा गांवों में भी चोरी-छिपे नदी से रेत निकालकर बेची जा रही है। मोंठ के तालौड़ गांव में भी रेत माफिया खुलेआम नदी की धारा और किनारों को खोद रहे हैं। यहां खेतों से भी मिट्टी निकाले जाने की शिकायतें हैं। देवरी क्षेत्र के पठा, ढकरवारा, टकटौली, मैलवारा, घाटकोटरा, भंडरा और बसरिया गांवों में रात के अंधेरे में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रेत की ढुलाई की जा रही है। इस संबंध में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि शिकायतों और तथ्यों की जांच कर कार्रवाई कराई जाएगी। इस तरह तोड़े जा रहे नियम नियमों के अनुसार नदी में डेढ़ से तीन मीटर तक ही खनन की अनुमति है

एल्युमिनियम के बर्तन बनाने वाली फर्म पर छापा, करोड़ों की कर चोरी मिली, संचालक ने जमा किए चार करोड़

कानपुर (एजेंसी) कानपुर में राज्य कर विभाग ने कर चोरी के आरोप में अनवी मेटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर छापेमारी की। स्टॉक और खातों में करोड़ों का अंतर मिलने पर फर्म ने 4 करोड़ रुपये जमा किए हैं, जबकि आगे की जांच जारी है। कानपुर में राज्य कर विभाग (एसजीएसटी) ने बुधवार को कर चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एल्युमिनियम उत्पाद बनाने वाली अनवी मेटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के दो प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। जांच पड़ताल में करोड़ों की कर चोरी मिली। फर्म संचालक ने मौके पर चार करोड़ रुपये कर के रूप में जमा किए। बड़े पैमाने पर दस्तावेज जब्त किए गए। अपर आयुक्त ग्रेड-2 प्रशांत कुमार और संयुक्त आयुक्त ज्ञान प्रकाश सिंह की अगुवाई में उपायुक्त अभिषेक कुमार चतुर्वेदी और उनकी दो टीमों ने एल्युमिनियम किचन यूटेंसिल्स और एल्युमिनियम इंगट बनाने वाली इकाई पर छापा मारा। फर्म की मंधना में फैक्टरी और बिरहाना रोड पर कार्यालय है। जांच में फर्म के स्टॉक बुक, इनवॉइस और उत्पादन रजिस्टर की जांच की गई। फर्म संचालक ने चार करोड़ रुपये जमा किए लेखा पुस्तकों में घोषित स्टॉक और मौके पर मिले स्टॉक में भारी अंतर पाया गया। व्यापार स्थल पर लगभग 23 करोड़ रुपये के कम स्टॉक का पता चला। अन्य अनियमितताओं के आधार पर फर्म संचालक ने डीआरसी-03 के माध्यम से चार करोड़ रुपये जमा किए। इस मौके पर प्रभात कुमार चौधरी, दीपक सिंह, गोपाल कृष्ण सारस्वत, सर्वेश कुमार राठौर, पंकज रावत, डीके उत्तम, सुरेंद्र सिंह आदि रहे।

बनारस में 400 मस्जिदों व ईदगाहों में हुई नमाज, सड़कों पर पुलिस; मुफ्ती-ए-शहर ने की खास अपील

वाराणसी (एजेंसी) वाराणसी में आज ईद-उल-अजहा का पर्व धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। शहर की करीब 400 मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 6:45 बजे से नमाजी जुटने शुरू हो गए थे। 11 बजे तक नमाज अदा की जाएगी। नमाज के बाद कुर्बानी की रस्म होगी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर बनारस में बृहस्पतिवार को अकीदत और उल्लास के साथ बकरीद मनाई जा रही है। शहर की करीब 400 मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 6:45 बजे से 11 बजे तक नमाज अदा की जा रही है। नमाज के दौरान मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। बकरीद को लेकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में सुबह से ही रौनक दिखाई दे रही है। मदनपुरा, नई सड़क, बेनियाबाग समेत कई क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही बनी हुई है। नमाज के बाद कुर्बानी की रस्म अदा की जा रही है। बेनियाबाग मैदान का बकरा बाजार बंद होने के बावजूद गली-मोहल्लों में सजी अस्थायी दुकानों पर देर रात तक खरीदारी चलती रही। कुर्बानी के जानवरों की खरीद-फरोख्त में भी खासा उत्साह दिखा। एक दुंबा 1.25 लाख रुपये में बिकने की चर्चा पूरे शहर में रही। त्योहार को लेकर लोगों ने नए कपड़े, टोपियां, इत्र और सेवइयों की जमकर खरीदारी की। वहीं मुफ्ती-ए-शहर मौलाना बातिन नोमानी ने लोगों से अपील की है कि कुर्बानी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा न करें तथा अवशेषों को नगर निगम द्वारा निर्धारित डंपिंग प्वाइंट पर ही डालें। इस बीच, नदेसर स्थित मस्जिद में बकरीद की नमाज बृहस्पतिवार को शांतिपूर्ण अदा की गई। नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इस दौरान डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, कैंट थाना प्रभारी निरीक्षक राज किशोर पांडेय और नदेसर चौकी प्रभारी सुमित पांडेय मय फोर्स मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। सड़कों पर नहीं होगी नमाज, घरों में ही कुर्बानी पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बकरीद की पूर्व संध्या पर बुधवार को गोदौलिया, चौक, दालमंडी से लंगड़ा हाफिज मस्जिद और जैतपुरा रोड से बकरिया मंडी पैदल गश्त कर सुरक्षा व कानून-व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में सार्वजनिक स्थानों, सड़कों पर नमाज अदा न की जाए। कुर्बानी केवल घर के अंदर और बंद परिसरों में ही कराई जाए। पुलिस आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी रखें। कुर्बानी से संबंधित फोटो या वीडियो साझा करने वालों पर कार्रवाई होगी। प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में बताया

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?'

इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं।

नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है।

बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काज़मी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी 'हतक' से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, ''मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। 'हतक' शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।'' अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, ''सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।'' अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, ''अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।'' उन्होंने कहा, ''समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।''

क्या शाहरुख की 'किंग' का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह?

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में 'किंग' की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि 'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह 'किंग' का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान 'किंग' के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

एक्शन-थ्रिलर 'बेनाम' में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं। इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है। माना जा रहा है कि 'बेनाम' एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है।

सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और इंटेंस पक्ष दर्शकों के सामने आएगा। माना जा रहा है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो। हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं। लहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ 'बेनाम' ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है।

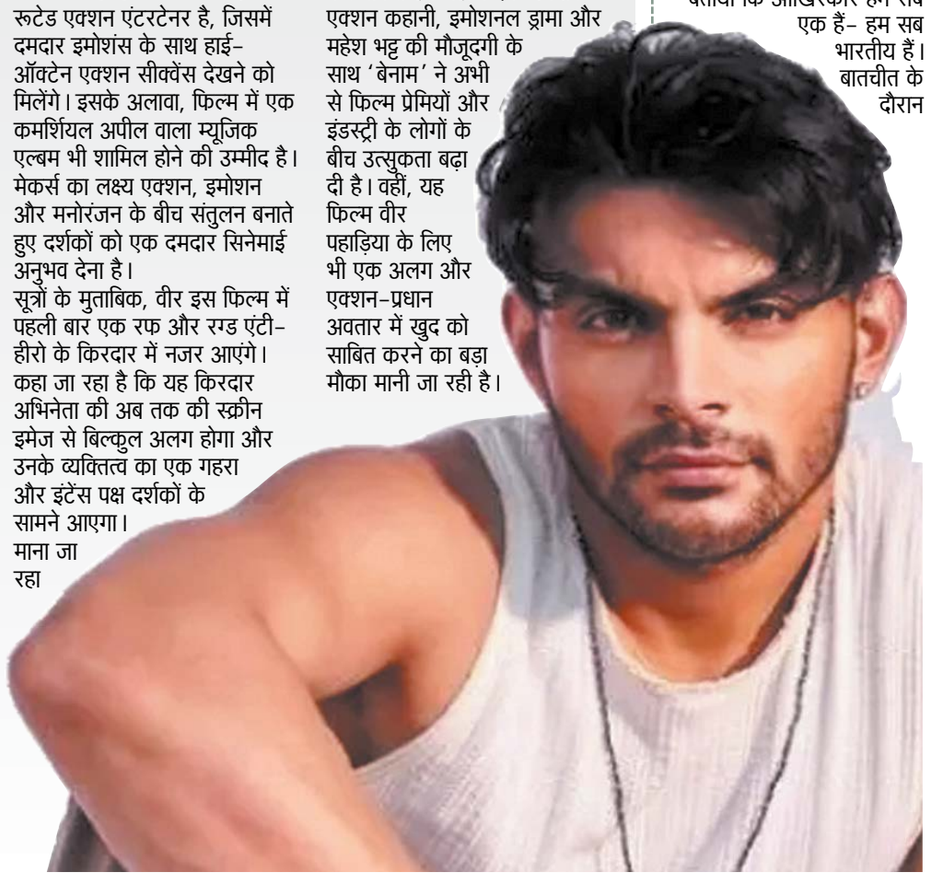

साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर बोमन ईरानी ने रखी अपनी राय

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेद्दी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, 'सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।'

बोमन ने कहा, 'दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है। अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, 'हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है।' बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए।' 'मुन्ना भाई एमबीबीएस.', '3 ईडियट्स', 'खोसला का घोसला', 'डॉन' और 'पीके' जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है, जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत मैं जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।' लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

आप बेटी की मां हैं? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?

मैं अपनी बेटी को बताऊंगी कि तुम अन्नपूर्णा हो पर शक्ति भी हो। काली का चित्र बेटी को दिखाऊंगी, जिसमें महिषासुर का सिर उनके हाथ में है। ऐसी देवी आपको कहीं नहीं मिलेगी, हिंदुस्तान के अलावा। मेरी प्रेरणा मां काली हैं। मैं अपनी बेटी को भी यह सिखाऊंगी। सिर्फ बेटी की मां नहीं, बेटों की भी। मैं चाहूंगी कि एक दिन ऐसा आए कि जो रेप पीड़िता का नाम हम छिपाते हैं, उनकी गलती थी क्या? आदमियों का नाम ब्लर करना चाहिए।

चैरिटी करने की प्रेरणा कहां से मिली?

अली की जो मामी हैं, उन्होंने पूरे लॉकडाउन में बहुत सारे कारीगरों को नौकरी से नहीं निकाला इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। मुझे लगा कभी भी चैरिटी करने से अच्छा है कि किसी को इतना सक्षम कर दो कि वह अपने परिवार के लिए कमा सके। इसकी अभी शुरुआत हुई है। इसमें छपाई का काम औरत करती हैं और कढ़ाई पुरुष करते हैं। महिला और पुरुष मिलकर काम करते हैं।

सिलवासा सचिवालय में राजनीतिक दलों एवं मीडिया हेतु एसआईआर कार्यक्रम से संबंधित बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 28 मई। दादरा नगर हवेली प्रशासन, जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा एसआईआर कार्यक्रम 2026 के संबंध में निवासी उप समाहर्ता, अमित कुमार की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सभाकक्ष, जिला सचिवालय, सिलवासा पर किया गया। निवासी उप समाहर्ता अमित कुमार ने बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों को एसआईआर कार्यक्रम की प्रक्रिया, उद्देश्य तथा समय-सीमा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और बताया कि मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है तथा सभी योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने हेतु विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सभी से निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सफल बनाने में सहयोग की अपील की। बैठक में राजेन्द्र राठोड, आसिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर द्वारा बताया गया कि हमारे जिले में एसआईआर की प्रक्रिया के तहत प्रदेश के सभी मतदाताओं के नाम व्यवस्थित रूप से सूचीबद्ध किया जाना है इसलिए राजनीतिक दलों से अपेक्षा है कि वे अपने बूथ स्तर अभिकर्ताओं को नियुक्त कर उनके माध्यम से मतदाता सूची के सत्यापन में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। मीडिया प्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया गया कि वे आमजन तक इस कार्यक्रम की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक योग्य नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकें तथा आवश्यक संशोधन समय पर करा सकें।

बैठक के दौरान डॉ. अनिता कुमार नोडल ऑफिसर (एसआईआर) ने भी एसआईआर कार्यक्रम की सरल प्रक्रिया हेतु अपने विचार रखे और बैठक के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी एसआईआर टीम द्वारा किया गया तथा वीडियो के माध्यम से एसआईआर प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी दी गई।अंत में राजेन्द्र राठोड, आसिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने सभी राजनीतिक दलों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

दादरा नगर हवेली में 1 जुलाई से शुरू हो जाएगी एसआईआर की प्रक्रिया

- एसआईआर से पारदर्शी और जवाबदेह मतदाता सूची बनने में मिलेगी सहायता: उप जिला अधिकारी अमित कुमार - सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और पत्रकारों को एसआईआर पर दिया गया विशेष मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 28 मई। केंद्रीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार देश के कुल 19 राज्यों में मतदाता सूचियो के पुनरीक्षण के लिए विशेष गहन जांच प्रक्रिया चलाई जा रही है। इसी क्रम में दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में 1 जुलाई से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसी पर विशेष मार्गदर्शन देने के लिए दादरा नगर हवेली के उप निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार और सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र सिंह राठौड़ की अगुवाई में एक मार्गदर्शन सिविल आयोजित किया गया। जिसमें पत्रकारों को भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर पत्रकारों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उप निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है। जिसमें मतदाता सूचियां की गहन जांच प्रक्रिया की जाएगी और ऐसे लोगों को सूची से हटाया जाएगा जिनका मतदाता सूची में नाम तो है लेकिन वह मौके पर नहीं है अथवा ऐसे मतदाता जो की कई वर्षों से मतदान प्रक्रियाओं से अनुपस्थित है अथवा मर चुके हैं उनके भी नाम इसकी इस सूची से हटाया जाएगा। विशेष तौर पर 2002 से जितने भी मतदाता यहां रह रहे हैं उन्हें भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है और उन्हें अपनी मतदाता सूची को सुधार करने का अवसर दिया जाएगा। इस अवसर पर कई राजनीतिक दलों द्वारा दो-दो राज्यों में मतदाता पहचान पत्र रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें मतदाता सूची से हटाने की मांग भी की गई। कांग्रेस की तरफ से उठाए गए सवालों के जवाब में उप निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया को ध्यान में रखकर की जा रही है और जो लोग दो-दो जगह मतदान पहचान पत्र रख रहे हैं उन्हें मतदाता सूची से बेदखल करने का काम किया जाएगा। राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मतदाता सूची की जांच प्रक्रिया के दौरान कुल चार चरणों में मतदाता सूची जांच प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उसके बाद भी कोई भी अगर छूट जाता है तो अपने संबंधित दस्तावेज़ दिखा करके अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकता है।

भीमपोर ग्राम पंचायत में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 मई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन के समन्वय से 28 मई 2026 को शाम 4:45 बजे भीमपोर ग्राम पंचायत में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट मयंक पटेल ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्वास्थ्य अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के लिए संवाद कानूनी जागरूकता, स्किल इंडिया मिशन, प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण, पीएम वन धन योजना, आपदा पीड़ितों के लिए कानूनी के बारे में जानकारी दी।एडवोकेट मानसी परमार ने पीड़ित मुआवजा योजना और राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा छात्रों के लिए चलाई जा रही विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में कानूनी जानकारी दी। वकील पूनम देसाई ने नालसा (मानसिक रोग और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों को कानूनी सेवाएं) योजना 2004 के बारे में जानकारी दिया। इस कार्यक्रम में भीमपोर ग्राम पंचायत की टीम और नागरिक मौजूद रहे।

वीर सावरकर की 143वीं जयंती पर गुजरात विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित

गांधीनगर (ईएमएस)। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी सेनानी और प्रखर राष्ट्रवादी नेता विनायक दामोदर सावरकर की 143वीं जयंती के अवसर पर गुजरात विधानसभा पोडियम परिसर में स्थापित उनके तैलचित्र पर गुजरात विधानसभा के सचिव चैतन्य पंड्या ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समरस छात्रालय के विद्यार्थियों सहित गुजरात विधानसभा सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी उपस्थित रहकर वीर सावरकर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

क्रांतिवीर विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भगुर गांव में हुआ था, जबकि 26 फरवरी 1966 को उनका निधन हुआ। पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे कानून की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए, जहां उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के उद्देश्य से 'फ्री इंडिया सोसायटी' की स्थापना कर क्रांतिकारी गतिविधियों को नई गति दी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध षड्यंत्र के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर 50 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस दौरान उन्होंने अंडमान की सेल्युलर जेल और बाद में रत्नागिरी जेल में अमानवीय परिस्थितियों के बीच 14 वर्षों का कठिन कारावास भोगा।

जेल से रिहा होने के बाद भी वर्ष 1937 से 1947 के बीच उन्होंने देश की अखंडता बनाए रखने और भारत को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति दीव की संयुक्त बैठक हुई संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 28 मई। दीव उप समाहर्ता एवं उप प्रभागीय मजिस्ट्रेट/उपाध्यक्ष, नराकास एवं राकास शिवम मिश्रा की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति दीव की संयुक्त समीक्षा बैठक 28/05/2026 को अपराह्न 03 बजे सेवा भवन सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में संघ प्रदेश प्रशासन दीव के सभी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, निगमों, उपक्रमों आदि के मार्च 2026 को समाप्त तिमाही/छमाही के दौरान हिन्दी में किये गये कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपस्थित कार्यालयाध्यक्षों को संबोधित करते हुए उप समाहर्ता शिवम मिश्रा ने कहा कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में जारी राजभाषा हिन्दी के प्रयोग से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करना तथा हिन्दी में काम करना सभी का संवैधानिक दायित्व है और राजभाषा अधिनियम तथा राजभाषा नियम के प्रावधानों का नियमानुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत उप समाहर्ता शिवम मिश्रा ने उपस्थित कार्यालय अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे हिन्दी पत्राचार, हिन्दी टिप्पण आदि के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का भरपूर प्रयास करें और एक महीने के भीतर अपने-अपने कार्यालयों के फाइलों, रजिस्टरों, नामपट्टों एवं साईनबोर्ड आदि को द्विभाषी अर्थात हिन्दी एवं अंग्रेजी में नियमानुसार बनवा लें तथा किसी भी प्रकार की सहायता हेतु राजभाषा विभाग दीव को संपर्क करें। उप समाहर्ता शिवम मिश्रा ने हिन्दी में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने वाले कार्यालयाध्यक्षों की सराहना की और लक्ष्य से कम हिन्दी पत्राचार करनेवाले कार्यालयों को पत्राचार बढ़ाने हेतु निदेश दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रोजमर्रा के रूटिन कार्यालयीन कार्यों में ज्यादा से ज्यादा टिप्पणी हिन्दी में लिखें और निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सक्रिय प्रयास करें। इसी प्रकार, दीव प्रशासन के विभिन्न कार्यालयों में परस्पर आंतरिक पत्राचार के दौरान आवरण पत्रों का प्रयोग करें ताकि हिन्दी में मूल पत्राचार को बढ़ावा मिले और राजभाषा हिन्दी का प्रगामी प्रयोग सुनिश्चित हो सके। इस बैठक में उप समाहर्ता शिवम मिश्रा सहित मामलतदार धर्मेश दमणिया, लेखा उप निदेशक नीतिन गजवानी, प्रशासन के अन्य कार्यालय अध्यक्षगण, बैंक एवं केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों के सदस्य अधिकारी उपस्थित रहे।

REQUIRE SALES AND MANAGEMENT

Staff for Construction company at Daman site

Contact No:

+91 81415 77649

TORRENT POWER | DNHDD

'उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम' के बारे में जानकारी

टोरेन्ट पावर की सहायक कंपनी, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए हंमेशा प्रयत्नशील और प्रतिबध्ध है। कंपनी ने ग्राहकों के लिए अपने प्रश्नो और शिकायतों को आसानी से व्यक्त करने और उनका समाधान पाने के लिए निम्नलिखित विभिन्न विकल्प स्थापित किए हैं, जो इस प्रकार हैं :

- ग्राहक पोर्टल : connect.torrentpower.com
- मोबाइल एप्लीकेशन : torrent power connect
- २४x७ हेल्प लाइन सुविधा : ९०९९९९१९१२, १८००२३३९५००, १९१२६, १८००२७०५५५१
- ई-मेइल सुविधा : connect.dnhdd@torrentpower.com
- ग्राहक सेवा केन्द्र : दमन : पहेली मंजिल, पावर हाउस बिल्डिंग, नानी दमन
  दीव : दमन एवं दीव स्टेट को. ओ. बेन्क के पास, फुदाम
  सिलवासा : १०९, विद्युतभवन, सिलवासा
  खानवेल : खुटती कोलोनी, खानवेल
- 'टोरेन्ट पावर आपके द्वार' कार्यक्रम और 'Doorstep' सुविधाएं: : नियमित आधार पर पंचायतो पर और आवश्यकता अनुसार

यदि ग्राहक इन सुविधाओं को प्राप्त करने के बावजूद असंतुष्ट है, तो वे 'ग्राहक शिकायत निवारण फोरम' का निम्नलिखित जानकारी में से पसंदगी स्थल पर संपर्क कर सकते हैं।

दमन	दीव	सिलवासा
दुसरी मंजिल, पावर-हाउस बिल्डिंग, सत्य-नारायण मंदिर के पास, नानी दमन, दमन-३९६२१०	दमन एवं दीव स्टेट को-ओप. बैंक लिमिटेड के पास, गंगेश्वर महादेव रोड, फुदाम, दीव-३६२५२०	कमरा नं.१०२, विद्युत भवन, सिलवासा-३९६२३०

फोन नं. ६३५७५५७७७७ | ई-मेल: consumerforumdnhdd@torrentpower.com

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)